

स्वस्ति श्रीसाम्बत १९५२ उत्तम आश्विन शुद्ध चतुर्थी
श्राद्धार्थं श्रीगणेशाय नमः

1.6/13

सहस्रनाम

श्रीगणेश

पञ्चसूक्तम्

सहस्रनाम



[illegible]

कन नुवदुत्वादि संज्ञाज्ञानया ॥ नुवमाया कस ॥ हिमाया दार्घ्य ॥ विमाय द्रुम ॥ यजुर्न
वाचमायुर्क ॥ नुवामेयं यौ दालादि रुदा ॥ उच्चैः वृत्तलस्य मान उदारु ॥ नीचैः वृत्तल रु ॥
 समवृत्त्या विन ॥ **नुवउत्ति** स च क नामि ॥ नुवउत्ति स च क नामि ॥ उच्चैः वृत्तल ॥ अका वा दय य ॥
 वत्ता नुवका वा दय उच्चैः वृत्तल रुदा ॥ अदूर्जानामि न ॥ अदूर्ज वत्ता नानामि न उच्चैः ॥
 अन्तु का का वा दय वत्ता ॥ यथा हा नीजि अहा वे मया यं उ ना यं नुव कामि ॥ रुय व वल अवन रु
 म उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर ॥ अय न का वा ॥ यथा हा नीजि

घटका आ यना त्या म न व ल्प य अका ॥ आदि व ल्प न स रु ग क मान रु नामा य त्या ॥ **रथादि** ॥ अ
 का वा द का व ल स रु ग क मा ल्प व य त्या हा न ॥ स न **अरुउत्ति** नुवउत्ति रुय व वल अवन
 रुम उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर ॥ वत्ता न व ल्प य का ॥ स य य न ॥ वत्ता न क य ल्प व य य त्या हा न ॥
 उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर ॥ उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर ॥ उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर उरुध्वर ॥
 हा व ल्प य स स न ग न य अका ॥ स य त्या निय म स न्ना मि ॥ रुसा य अ नानि ॥ रुका वा द य स का वा का
 व ल्प रुसा य अ नो रु व मि ॥ सुवदी न व अ न ॥ न य का न ॥ सुवदी न व अ न ॥ सुवदी न व अ न ॥ सुवदी न व अ न ॥

नामयादीनायिकाव्यकावशास्त्रायवास्वनि ॥ गशागता ॥ गशागता ॥ गशागता ॥ यटां
 रु ॥ यटां रु ॥ यटां विरु ॥ नभे आसुन ॥ नभे आसुन ॥ नभे आसुन ॥ अमो लु ॥ अमो लु ॥
 असाविन् ॥ अयने अयडा अव डो आव ॥ अयया दय ॥ लायसि यन नै भि ॥ दू द सिउर
 वनि ॥ रुसखलुगि ॥ रुसखनि ॥ अदीनान ॥ यदा कृदिमादका ना दाका ना चयनया कानख लाधा
 रुवनि ॥ गश ॥ गश ॥ यटां अश ॥ यटां ॥ सवर्ष दार्धसह ॥ सवर्ष सवर्ष यवसुह दार्धसह
 नि ॥ अद्वा अश ॥ अद्वा ॥ दधि लु ॥ दधि ॥ हाहमकाव ॥ हाहकाव ॥ ननु दधि लु ॥

यैस्ववकथं नयाशानि ॥ गद नमाह ॥ सामान्य अरुगानूर्न वि ॥ अमावतंवान् रुवन् ॥ अम लय दं वा ॥ वा
 याय ॥ अदिधमासिह ॥ ॥ अलु ॥ अलु ॥ अलु ॥ अलु ॥ अलु ॥ अलु ॥ अलु ॥ अलु ॥ अलु ॥
 मसदं ॥ रुला दवाया दीन सीयाव कैय ॥ रुलुगीया ॥ रुलीया ॥ लंगलुगीया ॥ लंगलीया ॥ मन
 सुलीया ॥ मनीया ॥ यनरु अजाले ॥ यनीजलि ॥ अयडाम ॥ अयाम ॥ कर्क अश्रु ॥ कर्कथ ॥ कल
 अना ॥ कलना ॥ सीमन अक ॥ सीमक ॥ उडा ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥
 ग ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥ अलु उव ॥

लुंकावाकडकावाकएकावाकध्वंदादिलवर्कमानसधिनयाप्रानि॥मधीवादिदई॥अग्नीअ
 य॥यदूअ॥मालनानय॥मनावादिकिर्कि॥मधीव॥वाकधीव॥दयनीव॥ऊयनीव॥आयायनी
 व॥मायायनीव॥उ॥नियार्ग॥अकालेडाकावनिया॥एकखवधसधिनयाप्रानि॥अएवमअस
 ॥नाअगल्लामर्य॥अअयहि॥उउलिह॥लुलुइयध॥दूवादाकानन॥दूग॥दूवादाकान
 गयनविवावरादनचन॥दूग॥दूगधसधिनयाप्रानि॥दवदलएहि॥
 लुनियकानिहाव॥॥अथयअनकार्यमैयनो॥॥वयाअवजवा॥यदाकवर्कमा

५३

ॐ२ वासुदेवाय॥२ यशुमा॥२

[illegible]

श्री १

不

५४

५३

नी॥ नृगो कन॥ नृगो कन॥ **नारि** ॥ नवर्जस्य लका नयन लका लायवति॥ नृगलु नाति॥ नृग
 नाति॥ रवान लिखति॥ रवा लिखति॥ अन्तः द्विपरे दो वरु वरु किं नायवला॥ सानु ना गिका निम
 नृनानि कर्धन सानु ना सिने केवन का नस्य लका वा रवति॥ **नमि**॥ अका नयन नवर्जस्य दूर्ध्वन र
 वति॥ रवान मष्ट॥ रवा मष्ट॥ **नमि**॥ यदा कवर्क माना हव गस्य नस्य ला दूर्ध्वन रुवति॥ मष्ट
 नव॥ मष्ट॥ मष्ट सादका॥ मष्ट सादका॥ **नमि**॥ नाकस्य यदस्य दूर्ध्वन स मष्ट गमा मष्ट वति
 ॥ गिकि ना वा र्धन यो वरु यो॥ नाक न विरु॥ नाक विरु॥ रवान न नाति॥ रवा लु नाति॥ रवान द

६

६२

वन॥ रवा र्धन कन॥ रवान ० कामन॥ रवा र्धन कामन॥ **नमि**॥ नाकस्य यदस्य (शायन वा वगम
 मा रवति॥ रवान ध्रुव॥ रवा ध्रुव॥ रवा ध्रुव॥ **नमि**॥ कवर्क नृव॥ कवर्क नृव॥ कवर्क नृव
 ॥ यथानु धयन॥ यथानु धयन॥ **नमि**॥ यथानु धयन॥ यथानु धयन॥ **नमि**॥ यथानु धयन॥ यथानु धयन॥
 कामन कवा इरु नादि र्वति॥ सनयन यदा कव॥ यथानु धयन॥ यथानु धयन॥ सगल लुद॥ सगल
 द॥ नाक न लुद॥ नाक विरु॥ दा र्धनानु रवानि त्यागेन॥ **नमि**॥ कवा इरु नृव का वादि र्वति॥ स्वस
 वया सानु र्धन सयन व रवति॥ **नमि**॥ **नमि**॥ कवि नृव दा र्धन विवक र्थ॥ दा र्धन॥ सव॥ आद

७

स्वर्गसु ॥ नृत्तान्दयनकाणां हवतिस्वर्गय ॥ कवेयं प्रजा ॥ कवेयं ॥

[illegible][illegible]

गवः ४ यति ॥ २ तद्दहतो २

[illegible][illegible]

१. सावदि

रु गो नमस्ते अघो योहि

३२

मननरु ॥ अघा ४ या हि ॥ नामिना ४ ॥ नामिन ४ य न य वि स र्ज ना य स न र व त य व य न ॥ अग्नि ४ अग्नि ४ ॥
अग्नि ४ य ४ ॥ य ४ य ४ ॥ य ४ य ४ ॥ उ म स ४ य ४ ॥ उ म स ४ य ४ ॥ उ म स ४ य ४ ॥ उ म स ४ य ४ ॥
उ म ४ य ४ ॥ उ म ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥
यति ॥ गी ४ यति ४ ॥ गी ४ यति ४ ॥ गी ४ यति ४ ॥ धू ४ यति ४ ॥ धू ४ यति ४ ॥ धू ४ यति ४ ॥

न ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥
अवयव ॥ या न ४ अ ४ ॥ या न ४ अ ४ ॥ अ ४ य ४ ॥ अ ४ य ४ ॥ अ ४ य ४ ॥ अ ४ य ४ ॥

विमर्जनी २

३१

३

३३

या र व ति ॥ य ४ य ४ ॥ य ४ य ४ ॥ य ४ य ४ ॥ य ४ य ४ ॥ य ४ य ४ ॥ य ४ य ४ ॥
मिना ४ य ४ ॥ उ ४ य ४ ॥ उ ४ य ४ ॥ उ ४ य ४ ॥ उ ४ य ४ ॥ उ ४ य ४ ॥ उ ४ य ४ ॥
र ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥
माजाय विहि न र ४ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥ स ४ य ४ ॥
कि कार् य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥ न र ४ य ४ ॥
४ क वि दि रा ४ ॥ क वि दि रा ४ ॥ क वि दि रा ४ ॥ क वि दि रा ४ ॥ क वि दि रा ४ ॥ क वि दि रा ४ ॥

३१

वियर्थय ध्वं वायवो वलु विकालनासो । अगानंद धानि यनयाग रुद्रं यनय कविधनि नूकी ॥ व
 भुगमांगवडादो सिद्धवधु विययय ४ । वातडादो विकान ४ म्या वधु नास ४ यवादन ॥ वधु विकान ४
 साया अगानि यनय ४ । यागस उचनया हू मयू नरु मनादि ४ ॥ **॥ लु नि वि न स वि ४ ॥**
 अथ विराकि विरायन ॥ सादि धाया दिम्या दिथ ॥ विरु र्क नय दन नुत्या दि विराकि मी मी या क न ॥
 अवेराकि नाम ॥ विराकि नरि न ध उव कि न ॥ वाथ वधु द वृ य नासा यन ॥ कन न स मासा ध्या नियः
 ठि क स रू लु नि का वि न ॥ न सान ॥ हि उ उ स ॥ अ म उ उ स ॥ दा र्या ति स ॥ द र्या ति स ॥ उ ति र्या ति

१२

स ॥ रु स डा स अ म ॥ डि डा स म य ॥ न साना म य न ४ स्या द य ४ सक विरु क थार व नि ॥ न गाय थ म र क व वि
 वे का या य थ मे क व व न क य सि लु नि मि न ॥ **लु का न उ वा न ना थ ४ ॥** सा वि न ग्ने ४ सकान व रु या वि स उ नि या
 द (भ रा व न) ॥ अगान स य न य द न व ॥ द व ४ ॥ द्वि व वि व का या मी ॥ उ उ उ ॥ द वी ॥ व द्र व वि व का या वि द्र व
 व न द व रु म लु नि मि न ॥ उ का न र्थ र्थ र्थ र्थ ला य ४ ॥ य या उ न उ सा नि वि (भ म ध थ ४ ॥ द व अ म लु नि मि न
 ॥ दार्थ वि स (म द वा ४ ॥ अ का न उ म सा स वि द्र क य ४ ॥ द वा स ४ ॥ व द्र क स ४ ॥ द्वि ती ये क व व न द व अ
 म लु नि मि न ॥ अ म ग सा न य ॥ समाना इ रु न या न म ग सा न का न स ला या र व नि ॥ द वी ॥ द वी ॥ व द्र व व न द

११

वशासु निहिन ॥ शकावशासनिवि (शममर्थः) ॥ अमशानस्यत्यकावलायः ॥ शानयूसयू लिंभान ॥ स
 मानादुरुनस्यशसकावसनका नाद (भारवति) ॥ शमि ॥ शसियुनयूवस्यदाधोरवति ॥ यदादशगईव
 ति ॥ दवान् ॥ रुनीयेकवचनदवटांतिहिनि ॥ टकाना ॥ नूवधेननिवि (शममर्थः) ॥ ठन ॥ अकावा
 ल्यवशांनारवति ॥ अरु ॥ दवन ॥ अकि ॥ अकावशारवतिरकावयव ॥ दवाया ॥ अकावात्यः
 स्यातिशोरकावत्याकावाद (भारवति) ॥ अरु ॥ दव ॥ सुनिहिनि ॥ वृद्धिविसर्जनीयो ॥ दवे ॥ अका
 वस्यसिचिदुदस्यकावावकयः ॥ दवशिः ॥ क (रु) शिः ॥ वड (थे) कवचनदवदंतिहिनि ॥ रुकाना
 वस्यः ३

१३

दिक्कार्थः ॥ सर्वः ॥ रुक ॥ अकावात्यवस्य ॥ रुथनस्यागिमारवति ॥ किदादभ ॥ अत्रय ॥ दाव
 ॥ दवाय ॥ दवाया ॥ अरिवदव ॥ अकावत्यवलीरुदमिसकावरकावदयनवदवसति ॥ दवस्य ॥
 यशम्यकवचनदवदसिहिनिहिनि ॥ रुतिन ॥ अकावात्यवाठसिगुरवति ॥ दवान् ॥ दवाया ॥ दवस्य ॥
 ॥ अष्टकवचनदवदंतिहिनि ॥ रुस्य ॥ अकावात्यवाठस्यरुवति ॥ दवस्य ॥ अति ॥ अकाव
 स्याअसियनव रवति ॥ अत्रय ॥ दवया ॥ नूतामः ॥ सुमानादुरुनस्यामानूतागमारवति ॥ टिवादा
 दो ॥ उकावउवावनाथः ॥ नामि ॥ नामियुनयूवस्यदाधोरवति ॥ दवाना ॥ सुकथकवचनदवदिः

११

[illegible]

व १
सिम ॥ नम ॥ नक ॥ यच्च ॥ यन ॥ अयन ॥ अवन ॥ दक्षिण ॥ उरुन ॥ अवन ॥ स्व ॥ अग्न ॥ मन् ॥ खन् ॥ यन ॥
लुदम ॥ द्विकिम् ॥ यद्मद् ॥ अस्मद् ॥ रवतु ॥ नमसर्वादयस्त्रिनिगमः ॥ नमयूर्लिगत्वमूर्यनय ॥ सर्व ॥
सर्वा ॥ उसा ॥ सर्वोदनकात्राकात्यनाउसलु रवनि ॥ अलुन ॥ सर्व ॥ सर्व ॥ सर्वा ॥ सर्वान ॥ हनीथेकव
वनसर्वटां निहिन ॥ य (अ) नानक ॥ यकात्रनरुसव (अ) ययनस्यनकात्रस्यनकात्राद (अ) रवनि ॥ अन्
हिगुत्यनरागि ॥ सर्वानिद्यादी ॥ अवकृष्णकभायि ॥ अवयुत्यादानेकव (अ) ययव (अ) यवमथययान
यि ॥ नान ॥ सर्व ॥ सर्वार्था ॥ सर्वे ॥ यउ (अ) कववनसर्वदल्लनिहिन ॥ सर्वोदसट् ॥ सर्वोदनकाः

七

नाकात्यनयं कउ (थ) कवचन स्रसदागमागवनि ॥ नने ॥ सर्वस्मै ॥ सर्वार्थां ॥ सर्वस्य ॥ दसि न न ॥
 यैवयं कवचं न सर्वस्रुतं लुतिष्ठित ॥ अग ॥ सर्वोदनका नाकात्यनयान् स्रुतानामागवनि ॥ सर्वस्मान् ॥
 सर्वार्थां ॥ सर्वस्य ॥ सर्वस्य ॥ सर्वया ॥ सर्वस्राम् लुतिष्ठित ॥ सुतां ॥ सर्वोदनका नाकात्यनयान् स्रुतानामा
 गवनि ॥ नर्व ॥ सर्व ॥ सर्वस्य ॥ सर्वदि लुतिष्ठित ॥ दि सिन ॥ सर्वोदनका नाकात्यनो दि सिन गवनि ॥
 सर्वसिन ॥ सर्वया ॥ सर्वस्य ॥ दसर्व ॥ दसर्व ॥ दसर्व ॥ ॥ ॥ ॥ नर्व विष्वादीनामकसदयस्य ना
 नां दूर्यनयं ॥ उगवउगमा विहायतयस्य ॥ यद्वादीनां उगवनां उगवनां उगवनां वावकय ॥ दसर्व ॥

युष्वा ॥ यन ॥ यनां ॥ अवन ॥ अवना ॥ दकि ॥ दकि ॥ उरुन ॥ उरुना ॥ अयन ॥ अयना ॥ अ
 धन ॥ अधना ॥ अ ॥ अ ॥ अकन ॥ अकना ॥ लुत्यादि ॥ दसिद्धास्मान् सिनो वावकयो ॥ युष्वास्मान् ॥ युष्वा
 न् ॥ युष्वा सिन ॥ युष्वा ॥ यनस्मान् ॥ यनां ॥ यनसिन ॥ यन ॥ आदि ॥ अवन ॥ दकि ॥ उरुन ॥ अ
 यन ॥ अधन ॥ अ ॥ अकन ॥ यथैकं दसिद्धाविकल्प ॥ ननयं कउ (थ) कवचन स्रुतानामागवनि ॥ नने ॥ सर्वस्मै ॥ सर्वार्थां ॥ सर्वस्य ॥ दसि न न ॥
 र्य ॥ लुत्यादि ॥ यथमवनमनया यदुत्यादकनिययनमानीजसीवा ॥ यथमयथमा ॥ वनम ॥ वनमा ॥
 सर्वोदनका नाकात्यनयान् स्रुतानामागवनि ॥ नने ॥ सर्वस्मै ॥ सर्वार्थां ॥ सर्वस्य ॥ दसि न न ॥

दि ॥ नर्व ॥

७ ता री २

बान २

[illegible]

मासः॥ मासाः॥ मासं॥ मासम्॥ मासे॥ मासी॥ मासः॥ मासान्॥ मासा॥ मासन॥ मात्रिसर्जः॥ आदवला
यन्॥ माथ्या॥ मासाथ्या॥ मासिः॥ मासेः॥ मास॥ मासाय॥ माथ्या॥ मासाथ्या॥ माथ्यः॥ मासथ्यः॥ मासु
॥ मासान्॥ माथ्या॥ मासाथ्या॥ माथ्यः॥ मासथ्यः॥ मासः॥ मासथ्यः॥ मासाः॥ मासयाः॥ मासां॥
मासानां॥ मासि॥ मास॥ मासाः॥ मासयाः॥ मासू॥ मास्यू॥ रुमाः॥ रुमासुः॥ रुमासी॥ रुमासी॥ रु
मासुः॥ रुमासाः॥ आकावाक्यूर्तिगः॥ सामयाऽद्दः॥ सामयाः॥ सामयो॥ सामयाः॥ अथागा
विनिवि(म)ध्वङ् लायानाहि॥ रुसामयाः॥ रुसामयो॥ रुसामयाः॥ सामयां॥ सामयो॥ वक्रवचनसाम

76

३१

ਸੀਨਿਟ ੫

57

[illegible]

कविनाथो नित्यवक्रवर्चनाम् ॥ २

[illegible]

बनाही २१ कारव्या कारस्यय व३

सकाजी-१८१८

20

५

२ नृणां नृणां २ यका वा न ४ कर्त्तु व २
अथ ४ २

五十五

[illegible][illegible]

[illegible]

गमत्यत्रोक्तकावमायद्यन ॥ अ० ॥ कूल ॥ असंज्ञसाहि ॥ नयसकलिं गमत्यत्रय ॥ असंज्ञसा निरु
वति ॥ गकाव ॥ सद्यदधार्थ ॥ गुन ॥ शिष्यसद्यदेक ॥ नूमेयम ॥ नयसकलिं गमत्यत्रय नूमा
गमारवति ॥ ज्ञेयव ॥ यमयथाहानान्नस्यनरवति ॥ मिदित्यात्मनात्यभावक ॥ उकावउच्चोवना
र्थ ॥ मकावसूत्रियमार्थ ॥ नायकायादार्थ ॥ नाकस्यायकायादार्थवानि ॥ ज्ञेयवर्जिनमयव
सूनामिव ॥ कूलानि ॥ यूननयि ॥ कूल ॥ कूल ॥ कूलानि ॥ ज्ञेयवर्जिनमयव ॥ नर्वसूलरुलयनययः
कूदकूड्यादयायकावानानयसकलिं गम ॥ त्वयाद ॥ अद्यादज्ञेयनया ॥ त्वमाशु कवति ॥

उकात्रउद्यानधार्थ॥सकात्रसर्वादधार्थ॥अथ॥अथ॥अथानि॥रुअथ॥अथयूयवत॥
 उतमत्॥उतम॥उतमालि॥कममत्॥कमम॥कममानि॥उीकानाकाअहि॥अद॥नय
 सकात्रस्येमात्क॥नयसकलिगात्रयथास्यमात्करवति॥अहि॥युत्तनयसक(मेवा)उ
 (भावक)॥रुअत्॥रुअत्ति॥उकीहि॥~~अ~~॥संवाधनदसनसंखिदूर्य॥अर्कनथानाकम
 थयदेर्क॥माथदिनिद्विष्टिगुष्टिगैर्क॥नयसकयाद्ययदावनिष्ट॥नामिनस्व॥नाम्य
 नयनयसकस्यनूमागमात्करवगिस्रयन॥उमो॥अहिना॥अहिनि॥यूनवदि॥अहि॥अहि

४३

[illegible]

कयस्कीयवद्धा ॥ उकयस्कीनाथननयसकलिर्गटादोखनयवद्धाखवनि ॥ नर्मनयाधिदाद्य ॥ ग्राम ॥
 ग्रामनिना ॥ ॥ शर्मयुर्ववन् ॥ सामय ॥ सामय ॥ सामयानि २ ॥ ॥ शर्मदववन् ॥ उकावाकाननयसकलिर्ग
 अतिनेशद ॥ नस्यायिखनयवन्मागम ॥ नायमतिकार्कश्रितिकर्ल ॥ नोवमतिकार्कयऊलीनदमि
 नूजली ॥ ऊखाद ॥ शर्मिधकनामिकावाकावोवकथो ॥ अतिवि ॥ अतिविलि ॥ अतिवालि ॥ ॐ श्वाः
 दि ॥ उकावाकाननयसकलिर्गमवृषद ॥ मधू ॥ मधूनी ॥ मधूनि ॥ ॐ श्वादि ॥ उकावाकाखनय
 शदायवत्त्वन् ॥ मकावाकाकहृषद ॥ कर्ह ॥ कर्हणी ॥ कर्हवि ॥ यूनवि ॥ ॐ श्वादि ॥ शर्मयुर्वव

२८

ग ॥ ॐ तिस्रवाकाननयसकलिर्गम ॥ ॥ अथरुसाकायुर्लिग्म ॥ यदध्यन ॥ गजुरुकावाका अनद
 रुषद ॥ यश्चखनदरुआमागभावकथ ॥ सावनरु ॥ अनदरुषदस्यसोयवन्मागमाखवनि न
 सयदाकव ॥ सीयागमकथलाय ॥ सीयागमकथलायाखवनि नसयदाकव ॥ रुसयसर्वाय ॥ अनदा
 न् ॥ अनदाहो ॥ अनदाह ॥ ॥ खवन् ॥ अनदरुषदस्य ॥ सोयवन्मागमाखवनि ॥ रु अनदन् ॥ अनदा
 रु ॥ अनदाहो ॥ अनदरु ॥ अनदरु ॥ वसवि ॥ वसु ॥ वसु ॥ अनदरु ॥ ॐ खनयवसयदाकवदर्व
 खवनि ॥ अनदरु ॥ अनदरु ॥ ॐ अनदरु ॥ ॐ तिस्रि ॥ वसवि ॥ वसु ॥ ॐ तिस्रि ॥ खमवयाजसानामि

[illegible]

५० यो यो गे नो भवति

[illegible]

[illegible]

पत्र ३

सुं ॥ यक्षसुखादियूयनसूयथादीनामिकावस्यवाकानादधरवति ॥ (अंनूत् ॥ यथादीनाथर्क
नस्यनूत्तानमोरवति ॥ यं वसूयनसू ॥ यं धनसिंतिहिम ॥ आसीं ॥ यथादीनां नाल्वरवति ॥
सीयन ॥ नयामदाकस ॥ यदादधनद्वरवती वधुमाउ विधाननरवतीत्युक्तं ननयका ॥ यं धा
॥ यं धानो ॥ यं धान ॥ दयं धा ॥ यं धानं ॥ यं धानो ॥ यथाकं ॥ यथिननया दानां नाल्वरवति ॥
सादोखनयन ॥ यथ ॥ यथा ॥ यथिह्यां ॥ यथिरि ॥ ॐ ह्यादि ॥ नवंमथिनमरुकि ॥ ६ ॥ दधिनः
गदस्यरुद ॥ ॐ नाल्वरवती ॥ ॐ नरुनयूयनसूयथादीनामिकावस्यवाकानादधरवति ॥

३ दह्यम ॥ लघादीनां दह्यम ममृता ॥ १ त्वं रुग्नि पचस्पृश ॥ का ३

[illegible][illegible]

मथो ॥ अथिमथ ॥ ॐ ह्रीं ॥ वक्रानां नमो वक्रानां ॥ अथ यक्षसूक्तं वक्रानां ॥ मिदं
 यत्त्वनात्यन्तवक्रं ॥ यद्येवमिति लुगिदिगं ॥ अथ यक्षसूक्तं वक्रानां ॥ सीमां न
 स्यात् ॥ वा ॥ वक्रानां वक्रानां कवचानां ॥ अथ यक्षसूक्तं वक्रानां ॥ अथ यक्षसूक्तं वक्रानां ॥
 ॥ यथा सीमा नदकानां ॥ लोचनं नदकानां ॥ अथ यक्षसूक्तं वक्रानां ॥ अथ यक्षसूक्तं वक्रानां ॥
 मिदं किमिति दिगं मिदं संयमे ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥
 लोचनं नदकानां ॥ अथ यक्षसूक्तं वक्रानां ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥ यद्येव ॥

धाजा १

[illegible]

ना

三

४२

[illegible][illegible]

स्य ४ सामान्ये अहसः कस्स्याहौ। सामान्ये वाये अहसः कः प्रत्ययो भवति स्याहौ परे ४
 एकार्वां लृका वा रुवति ॥ अमी ॥ अर्म ॥ अमू ॥ अमून ॥ अमल्व उल्व वकन ॥ टाक्ष मिया ॥ अमूना ॥
 द्विवदन अही खाव ॥ यध्वात्मा दूका व ॥ अमूथी ॥ रिहिम् ॥ एनी वरु लुगी का व ॥ अमी शि ॥
 अमूथो ॥ अमूथी ॥ अमाथ ॥ अमूथान् ॥ अमूथी ॥ अमाथ ॥ अमूथ ॥ उति अया दा ग व कन य
 ध्वा दूका व ॥ अमूथ ॥ अमाथी ॥ अमूथेन ॥ अमूथ ॥ अमाथ ॥ सांन्य अहस ॥ कथा दि व च अमू
 को ॥ अहस्य कं यं यो रु वति ॥ अमूक ॥ अमूको ॥ अमूक ॥ लुथा दि दू व दत् ॥ ॥ **लुनिहसाका**
 यर्हि ॥ ॥  ॥ अथ रुसाका ॥ श्रीलिङ्ग ॥ नगद का ना न उ यान रु ग द ॥ नहाट ॥ नहा

मा ३

[illegible]

[illegible]

(ग) षू स मानं दूयं नयं ॥ त्वमैर्दं सिनां ॥ यूष्मदस्मदाऽसि सदितया त्वं नृदं ॐ ह्यर्जि वा द (भ) रु व न ४ यथा स
स्थान ॥ त्वं ॥ नृदं ॥ यूवा वीं द्विवचनं ॥ यूष्मदस्मदादिवचनय न यूव आ व ॐ ह्यर्जि वा द (भ) रु व न ४ ॥ त्रिं
॥ यूष्मदस्मदाऽयनेऽशमरुवति ॥ यूवीं ॥ आवीं ॥ यूयं ॥ वयं ॥ त्वमैर्दं कत्वं ॥ यूष्मदस्मदाऽहं नृमन् ॐ ह्य
ना वा द (भ) रु व न ४ ॥ एकत्व गथ्यमान ॥ आ नृ ॥ यूष्मदस्मदाऽहं नृत्वं रवति नृमिऽका नरि सिचयन ॥ त्वं ॥
मां ॥ यूवीं ॥ आवीं ॥ त्वदा द हं नृत्वं कृत्वा साति नृर्घत्वं सा ना व कृत्वा ॥ यूयान् ॥ अस्मान् ॥ त्वन्मदा द (भ)
कृत्वा नृत्वं कान ॥ उदा द्या ॥ यूष्मदस्मदाऽहं नृत्वं रवति ॥ दादित्य नयाऽय नयाऽहं ॥ नृया द न ४ ॥ त्वया

[illegible]

उक्त ३ व्या गणधे ॥ ३

व ४
की ॥ त्वयिमयि ॥ यूवया ४ ॥ आवया ४ ॥ यूष्मासु ॥ अस्मासु ॥ ॥ अथ नयानादः विषयविधिविन्
यन ॥ यूष्मादस्मादा ४ वष्टी वउथी द्वितीया रिक्तमदीनो दत्तसो ॥ यूष्मादस्मादा यथासंख्यनामा आद
ः गुरुवर्ति ॥ कोटि ४ य ॥ वष्टी वउथी द्वितीया सेद्वितीया ४ नष्टे कवचनन सुरुगमरावन ४ ॥ द्विव
नवानो ॥ वरुवचनसंनसो ॥ ॥ स्वामीनससमादान ४ स्वामीनससिर्नगन ४ ॥ नमस्तुगवन्तुया
४ दक्षिममादसमयय ॥ स्वामीवांसजहासावे ४ दृष्टु नोदानयावर्ना ॥ वाजावांदास्यनदानं क्लान्तोम
धसूदन ४ ॥ दवावामवगाद्विष्टु नका नोऊनाईन ४ ॥ स्वामीवावत्तवलवान्वाजा स्वामीनासो ज

नार्द्धनः॥ नमो वावक्रविहृत्या ह्मनैना दायनीधनं ॥ सार्द्धनः॥ ययश्मः॥ ययश्मानः॥ सूर्यश्चिनः॥ ॥
 वामामा ॥ अमासुहिनयार्थश्चदसदाह्वामा लुहनावा दलोहवतः॥ ययश्मिह्वामदा लीधं ययश्मामनद
 रदकः॥ ययश्मिह्वामगंयुर्धं ययश्मायावनीयनं ॥ ॥ नादो ॥ यादादोवरुमानयार्थश्चदसका नेन
 आदः॥ सवकि ॥ नवयः॥ गुवात्राजन्ममनयनिः॥ गवः॥ नवमिह्वानियानिह्वः॥ मममिह्वानिना न्ययि ॥
 सुधाधनयदादः॥ गनरुकिवसादयः॥ रुनामनवदासासिन्नामगुर्धं नमानमः॥ गूडाविह्वः॥ यवाद
 वी युष्माकं कलदवगाः॥ सजवरगवानाः॥ अस्माकं यायनासनः॥ यादादाविनिर्कि ॥ ययुवोनवसि

व२

लस्यनरदला जलकाठयः॥ हिमश्च कशियार्थश्च॥ रुनासु कर्द्धमावृक्षः॥ ॥ वादिरिह्वः॥ वादिरि
 नयियाः॥ गनेन आदः॥ सवकि ॥ वादित्रियागः॥ वादिनययानिया नसं ह्मरुवनि ॥ व ॥ वा ॥ रु ॥ अरु
 ॥ नव ॥ नव ॥ नून ॥ यथक ॥ विना ॥ नाना ॥ स्वकि ॥ अकि ॥ दाया ॥ नक ॥ मया ॥ मिथ्या ॥ मिथम् ॥ अथ ॥
 अथ ॥ कस ॥ धम् ॥ उच्चैम् ॥ नीधैम् ॥ सन् ॥ अकन् ॥ यागन् ॥ यनन् ॥ रुयम् ॥ अरुह्विन् ॥ उन् ॥ स्रु ॥
 समम् ॥ मग ॥ अकन् ॥ अकन् ॥ नमम् ॥ अर्ल ॥ कर्न ॥ अमानाना ॥ यनिध ॥ ॥ ॐ षट् ॥
 किल ॥ खल् ॥ वै ॥ आवान् ॥ रुस ॥ मर्न ॥ सार्क ॥ सार्द्ध ॥ यन् ॥ गन् ॥ यवाध ॥ लुहवमादीर्जः॥ क्षानि

यातसंज्ञासदिति॥ गणादिज्ञाविशेषकं॥ धनित्याद्यन॥ नस्मिन्निति॥ यस्मिन्नित्यन॥ कुरु॥ कुरु
 न॥ कुरु॥ नस्मिन्कालनदा॥ यस्मिन्कालनदा॥ नकस्मिन्कालनकदा॥ अन्यस्मिन्कालनान्यदा॥ क
 स्मिन्कालनकदा॥ ननयकालननगथा॥ कनयकालननकथं॥ अननयकाननलुत्तं॥ गणादिनिगन
 ४॥ यस्यादिनियत४॥ लुग४॥ सार्वदितिकिकसिथिक॥ सर्वस्यादितिसर्वत४॥ यद्वस्मिन्नित्युन
 सान्॥ यनस्मिन्नित्यनन॥ आदिचंद्रन॥ दूना॥ धनित्याद्यन॥ ददित्यादिदसनिः
 वा॥ अला४॥ किम४ सामान्यविदादि॥ किम४ सामान्य॥ धनित्याद्यन॥ कश्चिन्॥ कश्चि

४३

न॥ कश्चिन्॥ कश्चिन॥ नदधीनकालनयावसाह॥ नदधीनकाजसाह॥ सर्वतस्मिन्॥ ति॥ रस्मसाह॥ उय
 वर्यगीकन॥ उनीकृत्य॥ उनीकृत्य॥ अज्ञा॥ कृत्य॥ स्यादिकालनित्याद्यन॥ सय४॥ अय४॥ सय
 दि॥ अधूना॥ लुदानी॥ साम्यन॥ दूवैद्य४॥ यनय४॥ अन्यय॥ यदि॥ यदि॥ रुटितिकदि॥ उर्त्त॥ अः
 धु॥ लीधं॥ यादिनयसर्ज४॥ य॥ यना॥ अय॥ स॥ अन्॥ अव॥ निव॥ द्रव॥ वि॥ आद॥ नि॥ अवि॥
 अयि॥ अति॥ स॥ उन्॥ अति॥ यति॥ यति॥ उय॥ अउ॥ अकन॥ आवि॥ याद॥ अयंगलउयसर्जस
 साहवति॥ याग्नागा४॥ उयसर्ज४॥ याग्नागा४॥ ययाकया४॥ नदयय॥ नदिदंवादिवादिद्वयमय

मनाजिह्वनरीकृत्य॥ तस्याजकलनली॥ मनाजिह्वनरीकृत्य॥ तस्याजकलनली॥ मनाजिह्वनरीकृत्य॥ तस्याजकलनली॥

यसंस्कृतवति ॥ कार्यं नंद ॥ उक्ता ॥ साक्षात्कृत्य यथा विहाय ॥ उम्कड ॥ दाड ॥ धम् ॥ हार्न हार्न ॥ का
नं कार्न ॥ वि४ ॥ खिलीकृत्य ॥ वल्ययार्न ॥ घटवन् ॥ यटवन् ॥ आम् ॥ कर्गलुवाम् ॥ धम् ॥ वक्रुग ॥ नव
मन्यग ॥ यिक्तादि४ ॥ अथयादित्कल्लेकम् ॥ अथयात्यन्यविशकल्लेकवति ॥ नगदनिर्द ॥ अथयादीनां
नवलिङ्गादिनियमं ॥ उक्तादि ॥ सदृष्टं यिक्तालिङ्गाय सूत्रासूत्रविराजिष्य ॥ वचनसूत्रसूत्रयूयनयनिन
दवयं ॥ उक्तायलिङ्ग ॥ नयययान्यधुना लिङ्गविशेषविजिज्ञाययिष्य ॥ श्रुययय ४ यल्लय
न ॥ आदित्कल्लेकम् ॥ आकाशानाम् ४ श्रुययवर्तमानादाय यल्लय ४ वति ॥ जाया ॥ माया ॥ मध्या ॥ माला ॥

॥ घडा ॥ धात्रा ॥ हुंखादि ॥ अजादध्यायवक्य ४ ॥ अजा ॥ नहुका ॥ काकिला ॥ वाला ॥ भूडा ॥ गणिका
॥ यका ॥ सका ॥ खवका ॥ वक्रयविवाजका ॥ कन्यकादाविनिर्कि ॥ कन्यको ॥ काथन ४ ॥ छियाँकायियन
पूर्वस्य अकारस्य हुंकावादः ॥ स्रवणि ॥ कन्यकादीनरवणि ॥ कालिका ॥ याविका ॥ याठिका ॥ वेष्टिरा
विबल्लायमवाथाभूयसर्जया ४ ॥ आर्यवेवरुसांगानायथावानि ॥ दि ॥ अर्वगार्क ॥ वर्गार्क ॥ अयिः
धानी ॥ विधानी ॥ अर्वगंस ॥ वर्गंस ४ ॥ ऊखावा ॥ छियाँकायियनगनादो पूर्वस्य ऊखावासवणि ॥ वलिका ॥
वलीका ॥ नदिका ॥ नदीका ॥ एयसिनगा ॥ एयसीनगा ॥ एयसिनमा ॥ एयसीनमा ॥ शिनगा ॥ सागना

[illegible]

कानयन ॥ विरक्तिसुखवर्जितसुख ॥ ययययविनहिगय कानलुगिलाय ॥ द्विती ॥ अकावट कानउका
नसकानुवन्धानुश्रियासीयत्यया ॥ अ ॥ वनाटकी ॥ ठ ॥ कनूचनी ॥ उ ॥ गमनी ॥ रागवनी ॥ मैदनी ॥
य० की ॥ लुत्यादि ॥ नदाद ॥ नदादर्जक्षानुश्रिया सीयत्यया रावति ॥ नदा ॥ गेनी ॥ गेनमी ॥ यद्विमी
॥ वउथी ॥ द्वादशी ॥ शर्द्वनी ॥ लुत्यादि ॥ लुद्वादना क्षीय ॥ लुद्वादर्जक्षानुश्रियासीयत्यया रावति
॥ लुद्वाक्षी ॥ रावाक्षी ॥ सर्वाक्षी ॥ माउलायाक्षीयाक्षीनायैद्विषयावायैद्वि ॥ माउली ॥ माउलानी ॥ उ
याक्षीयाक्षी ॥ उयाक्षीया ॥ द्विषयाक्षी ॥ द्विषया ॥ श्रावायैक्षी ॥ श्रावायै ॥ लुनीसर्मदानेष्टुलंश्च ॥ नयाक्षी

यानुष्वर्थमृगवनि ॥ कर्तृकर्मत्रकनर्धसंयुक्तानेव वाश्रयादानाधिकनसमिथोऽहं कानिषट् ॥
 कार्यकर्मकानकउत्थायश्रयसीकार्यविकार्यवदिनीयाविरुक्तिरुवनि ॥ युद्धरुत्थांताविनइत्याः
 यी ॥ यस्मिन्मवयायननदायम ॥ यउगुधनैमलायकवावाकयननसंकार्य ॥ यत्तुवविम ॥ यानि ॥ ३१
 त्यागवत्तुननायाकिंदिकार्य ॥ कटंकवानिकानूकावृययनित्वाकृष ॥ नायंयाशानिधमि
 छ ॥ समसूनामिसामया ॥ अशिसर्वतसां ॥ कार्याधिगुययिधि ॥ द्वितीयसिदितांतयुनतीयशायि
 दधन ॥ ॥ अशितागमनदावरुनि ॥ सर्वतागमननवाट्टक ॥ धिग्येवदह ॥ उद्यययवि

यद्वर्तनवृत्ति ॥ अ(को)वृद्धयानि ॥ अथधियाधमृगधवनि ॥ गमं गमंयनिसुलरीरेई ॥ समयागमं
 गगुरुन ॥ निकषागमं अमृतीयात्रानि ॥ यतिगमंयज्ञान ॥ कालाधनानेनैतथयि ॥ मासमधान ॥
 कागंयवर्तन ॥ अथगमासस्ययूनधानकासं स्यनुकद ॥ यवर्तन ॥ कर्तृवियधनकियाधयसाधनव ॥
 कियासिद्धयकानककन(थे)रुनीयाविरुक्तिरुवनि ॥ कियासुयवर्तकर्मदानामयिसंरुवनि ॥ कियासिद्ध
 यकार्नेसाधन ॥ सिन्न ॥ गनधनामधनाव(ला)लाकनावध ॥ कना(ग)धविदी(कु)रिथिवानवर्थद
 नयून ॥ दानयागसंयुक्तानकानकवउथीवदविदगधदानि ॥ वृणायकन्याददानि ॥ नउकस्यवर्त

ददातीत्यादौ स्युदानकानकत्वासावान्वयर्थः ॥ ननुदानत्यर्किलक्षणे ॥ तदवादः ॥ स्वस्वनिवर्तनं
 यत्र स्वत्वादनदानं ॥ वक्तव्यं वक्तुं ददातीत्ययत्र स्वत्वात्वादनानासावनस्युदानकानकत्वासावान्वय
 वयर्थः ॥ ननुनास्तु ददुददानित्ययत्र स्वत्वात्वादनं स्वत्वं वक्तुं न वयर्थः ॥ ननु ॥ ददातीति दत्तं
 यत्र यामहायनं नैव नित्यं नैव दानकाश्रया ॥ यद्ययमवाप्तनया स्यात्तदा नयार्थं काश्चिन्मना ॥ १२
 ४ ॥ तथावाक्यं ॥ स्युदानं न देव्या लब्धं नानुग्रहकाश्रया ॥ दीयमानं स्यात्तदा नयार्थं काश्चिन्मना ॥
 विदुषो विदुषो वमा ॥ विदुषा विरागस्तथावधिश्च लभ्यात्तु लभ्यावा विवक्तिस्तु लभ्यायादानर्थ
 या

नर

वमा ॥ भावना ॥ अदयन ॥ लक्षणां गंगवत नति ॥ सर्वेष्वपि ॥ सत्राह ॥ यत्र यत्र ॥ यत्र यत्र ॥ यत्र यत्र ॥
 न ॥ युवत्वं ववर्धयार्थं ॥ वानां वसवद्वय ॥ आध्यात्मिक ॥ आध्यात्मिक ॥ आध्यात्मिक ॥ आध्यात्मिक ॥
 (धृष्टिकी ॥ समीप्यकी अरिवायकी वैयर्थिकी न मिलि की डीयवात्रिकी च ॥ गतोया ॥ धृष्टिकी विविध ॥ यंगवलि ॥
 पुकदशवलि ॥ यामिगवुनियकि ॥ यामवलि ॥ जलनीर्द्धावनिर्धयंगवलि ॥ वनयाद्यनिष्ठनिष्ठकद
 शवलि ॥ कटो गंगकमानो सो वट गवध्वं गवध्वं ॥ निलयविद्यननेली ॥ द्वादिवक्रामृगयन ॥ यद्वसुनक्रगध
 वा अगुल्य ॥ एकलिनां गंग ॥ सावकियाल ॥ कर्लंगायि सुकमा ॥ यस्मिन् क्रियया अस्मिन् क्रियया कर्लंगयि सुकमा ॥
 (अभि ३)

सु२

यामवलि ॥

वकार्यमव्या ॥ समनो धनो यय्यमानकार्यमव्या विरुक्ति रवति ॥ द्विगीयाच ॥ माउ ४ स्र न नि ॥ माननं
 समन ॥ हनो हनो यायश्ममीववकया ॥ अनियस्य ४ कन कवन कन कवात् ॥ रायहनो यश्ममी ॥ रा
 यय्यदुका वध ॥ वीवादिहनि ॥ याघाह्यनि ॥ विद्यत्यागान्त्रिकि ॥ मधीरुडयया ॥ कत्यरुगा विर्यक
 था ॥ रुकुं रावहनाया ॥ कंविल्यका नमायन्नमिहं राव ॥ गिथंयूडयय्यनि ॥ सिद्धयसा नमः
 सीसा नमसा वधयय्यनि ॥ यनांगविका व ॥ यन श्री गन ॥ श्री गिनांगविका बालश्च ननया विहनाया
 विरुक्ति रवति ॥ अकक्षका व ॥ यादनवर्ज ॥ क (धुन वधिव ॥ वि (धम (धव ॥ मखनजिलावन ॥

५४

वयसावउरुज ॥ अनिकर्तु ४ युक्ति ॥ जायमानस्यकार्यस्यायादानमयादानसं ईरुवनि ॥ नशाया
 दानयश्ममी ॥ यसात्यजा ४ युजायनगल्लदकनि ॥ आदादिया (गवयं वमी ॥ आयाटलियूणादृक्षाद
 व ॥ गाद (धवउथी ववकया ॥ सीयमायं न धरु नवाधम्यायसीयमी ॥ धर्ममाकायमधावाधनं
 दानायउकय ॥ मनः ॥ कदादिया (गव ॥ कनायकुड नि ॥ मिशायदकनि ॥ गुधवनमूस
 यनि ॥ कसाययं वमी ववकया ॥ रुथात्यदत ॥ रुथमावूकयुद्धनं ४ सर्थ ॥ आसनात्यदत ॥ श्री
 सनउयविश्वयदुन ४ सर्थ ॥ निमिरुक्कर्मसीया (गसफमा ववकया ॥ चर्मनिदीधिनीरुकिदकया

अवधनार्थं यावदिति ॥ अवधनार्थं यन्निमानि त्रययात्र निशब्दययुक्तमानः यथा सावसमा
 सारवति ॥ यावतामन्त्राणि तावतावन्मन्त्राणां मन्त्रयश्च ॥ यावदमन्त्रमन्त्रयश्च असावानिनसू
 चक ॥ मन्त्रिकाभिसारावावरुणं निनिर्मन्त्रिकं विरुणं ॥ समासयत्यययात्रिनिषद्वालाय ॥ हुं ह्य
 यीराव ॥ अर्मादौ गत्युन्मः ॥ दिनायाद्यन्यद्वयदसगित्युन्मसं रूकं समासारवति ॥ ग्रामं
 याकाग्रमयाक ॥ दागधक्किनी ॥ युयायदान् ॥ युयदान् ॥ वृकथारयं ॥ वृकरयं ॥ नाह्युन्म
 नाजयुन्म ॥ अकवृ (गी ३) ॥ अक (गी ३) ॥ कविदमाद्यनस्ययनर्हं ॥ अ (गी ३) ॥ अदिनामि

दाशुकिनी ॥ २

पूजागार्वाक्षनी ॥ गर्वाक्षनी ॥ २

॥२॥ सुनायाः ॥ २ ॥
१॥ सुनायाः ॥ १ ॥

[illegible]

हावादायातिदलिः॥ आयायि॥ नकलनत्यादोनामसंरूपायाद्यादि॥ ज. व. ज. वा॥ वायुदक्षकल्याणी
 यियं ह्यादोनरवनि॥ अदिः द्यादामात्राया॥ गोमीराया॥ मनाहू॥ सूरुग॥ इरुग॥ भाना॥ वयर्त
 ॥ वामा॥ वामना॥ वाक्रणी॥ दका॥ नसिका॥ मेथिला॥ ह्यादयः॥ द्या॥ कल्या॥ आदिषू॥ द्या॥ ॥ ग॥
 ॥ ग॥ द्याया॥ ध्वलमानस्यद्वया॥ सुवनि॥ यंचभवायस्यसयंद्युः॥ संख्यासूया॥ आदियुच्यया
 द्यादस्यालायावक्यः॥ सदसंदादायस्यसदस्यान्॥ सु॥ भरा॥ लोयादोयस्यसस्यान्॥ व्याध्या
 न्॥ गसादोस्त्रनेयवयदादश॥ ध्वक्यः॥ द्वियद॥ द्वियदा॥ सुरुस्यद॥ सदस्यदा॥ ह्याः

स्यद॥ स्यदा॥ व्याध्याद॥ व्याध्यादा॥ ॥

३०

दि॥ टाउका॥ समाससनिटश्रुतकृत्यनयत्ययारुवनि॥ टकावकृत्ययाहूया॥ उकावां द्वन्द्वमवव॥
 ककावसुवद्रुवाहि॥ श्रुकावसर्वनामन॥ अर्वित्यामहिमायत्य॥ सश्रुवित्यमहिम॥ नावा॥ नाकत्ययदत्यट
 लीयासुवतियकावसुवयन॥ वायुदक्षकविन्नरुवनि॥ उयथायालायश्च॥ श्रुक्रामर्थ॥ टयत्यय॥ टिलाः
 यारावान्॥ उयथायालायश्च॥ सुवहर्न॥ श्रुविसर्ज॥ मध्वार्क॥ कवीर्नावाजा॥ कविवाज॥ टकावा
 नूर्वधृत्यर्थ॥ कवावाजी॥ वाह्यय॥ वाजयर्न॥ वाक्कमनश्चवाहनसं॥ दक्षिणस्यादिगिर्यथा॥ द
 क्षिणयथ॥ नावगितायः॥ अरुश्चवागिश्चश्रुदावर्ण॥ दोवयश्चद्विग॥ यंचवयटच॥ यंचया॥ व

१२

रुवावाजानाय सान गयसावदु नानगना ॥ अरुटिलायकन आवन ॥ सियामि आय ॥ वरुव ४ कला
 नायस्यसवदु ॥ कलु कोयागी ॥ यनवधूक ४ ॥ रुलिगर्जवूक ४ ॥ यूरानक ४ ॥ उत्यादी कयुत्यय ४ ॥
 कर्मधनय ४ उत्या ॥ यददयसुत्या ॥ धनिषुसतिकर्मधनय ४ समासारवति ॥ नालं वउत्यलं वना ॥ ५१
 लात्यली ॥ नकावासावनावनकलना ॥ यमी धासाकाकिल ध्ययैकाकिल ४ ॥ यूस ४ ॥ खयसंथागलाया
 वकय ४ ॥ यमसुनदस्यसंथा ॥ गखययनवशूकानस्यलायारवति ॥ नामधूकनासमास ४ यादनयसज
 स्यनामधूक ॥ दननसमासकृत्यवधारवति ॥ यकषलवदगी ॥ यवाद ४ ॥ कर्क कवागिनीर्क रकान

नालायठ्ठिअनत्तावदु न कानला ५४ ॥ २

४ ॥ सदाद ४ सादि ४ ॥ समाससुतिसदादानीसादि रुवति ॥ यूरनसदुवरुन रुनिसयूर ४ ॥ सयि ४ ॥ सयय ४ ॥
 सदुसनिवसासधिसमितिनय ४ ॥ सधरु ॥ सम्यरु ॥ नित्यरु ॥ कलिनमद ॥ कासुत्यनयकदादय ४ ॥ क
 सिना ॥ धनूत्रकदर्व ॥ उयद ॥ धकादि ॥ कदूर्क ॥ कार्य ॥ कवाय ॥ मध्यार्क ॥ यून ४ कलिन ॥ कातवर्ध ॥ य
 नूयवा ॥ कायूय ४ ॥ कयूय ४ ॥ ययदगन रुतिस्तिन ॥ ययउर्ध्व ॥ दहदह ॥ आसूयनयउरुनयदाददूर्ध्व
 ॥ यारा ॥ यदनायस्यतिविग्रह ॥ दकस्यदह ४ ॥ मकानमनूर्ध्वधार्थ ४ ॥ वृणानमागम ४ ॥ मिदंथा
 खनात्यनावकय ४ ॥ संथागनस्यलाय ४ ॥ रुसयसलाय ॥ वाउन ॥ वाउन ॥ संथायायकानधायववन् ॥

धारा ॥ वृहत्संनि ४ ॥ सुगन्धाय ॥ मरुगन्धाय ॥ समानाधिकबल ॥ मरुध्वन ४ ॥ समासकृतयोऽद्यत्य
 यादाद ४ ॥ यादायथिवी ॥ आकृतिगन्धाय ॥ दयनी ॥ आयायनि ॥ अलूकविन् ॥ कवित्समासकनन
 दिनयिविरुक्तबलुग्दति ॥ कङ्कभूक ४ ॥ काकाभूक ४ ॥ ॥ अयूयानिबल्ययूयानि ४ ॥
 उवसिनामा ॥ दृढिष्यगतिदृढिष्यक् ॥ दिग्भिमिनि कर्त्तु ॥ कालकाल ४ ॥ वादायुकि ४ ॥ दिग्भद ॥
 यध्यगान ४ ॥ रुत्यादि ॥ समाससति ॥ समानाधिकबल ॥ कयार्थि ॥ वादानामध्ययदलायावकय ४ ॥
 भक ४ यिय ४ यार्थिव ४ ॥ भकयार्थिव ४ ॥ दवयुजकावाक्य ४ ॥ दववाक्य ४ ॥ नकार्यनिष्ठवसति ॥

४२

यथाभक्तः शिवशक्तिं तल्लिखितं तथा भवादिगद्यानीत्यायः नाथ्या श्रीनृधामसर्वतुष्टये
 यद ।
 ह्यान् ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

यथै गम्य ॥ वत्सल्ययथै वात्य ॥ यस्य लाय ॥ अनकत्वा रावान् ॥ शर्वे मरिचि यी ॥ वात्या ॥ गम्य ॥ व
 कात्रा दीय ॥ गम्य ॥ नाताय न ॥ वात्राय न ॥ कर्त्तुं नानेक ॥ अनकत्वा न्नाय नाताय नो ॥ वा
 वाय नो ॥ मोक्षाय न ॥ अमृताय न ॥ अश्रय ॥ आदि च ॥ अनकत्वा दीय अश्रय ॥ यस्य लाय ॥ सर्व
 य ॥ वकालान् सर्व कृत्या विग्रह ॥ गम्य ॥ मारुय ॥ कायय ॥ ये ह्यस्य ॥ माह्वस्य ॥
 नयय नय च लाया ॥ क ॥ ननमृक ॥ अनयै मार्क ॥ कवि न्मुक्तिं गदने रितो म ॥ लम्बे द्रुव
 विन ॥ अयत्य ॥ उत्य नययं यव द्रुव स निद विविचय ल्गुवति ॥ गम्य ॥ अश्रय ॥ विदहा ॥ गम्य

लय १

कवि १

६३

कविदादिष्टे प्रिकृत्ता निवां वसिष्ठ ॥ गम्य ॥ उत्या ख्य द्रिष्ट ॥ यनस्य वद्रुव ल्गुव गति कवि द्रु
 दान् रूया ॥ दवर्ग देम ॥ दवता ॥ दम ॥ वाका ॥ ययया रवनि ॥ अयत्यय ॥ सोमा दवना अत्य
 नितो म्यम् ॥ उद्या दवना अत्य नि ॥ उद्य दवि ॥ ॥ नदादिवा लो मा ॥ दवर्ग ॥
 थमिदं वरुं देवदलं वरुं ॥ उकार्थना मययाग ॥ नामसं ह्यायादि ॥ सर्व उ अना अम् ॥ कवि द्रु ॥
 कविल्लुव नय द ॥ अग्निमा न्नं कर्म ॥ सोदा ॥ सोरा ॥ अगसा व ॥ ल्कय ॥ ग
 मां समूह ॥ विनां वा ॥ उका ॥ ययया विषया न्नं विनां वा रवनि ॥ अजा ॥ गो र्यस्या सो अज ॥ नि

व २

[illegible][illegible]

[illegible]

30

[illegible]

[illegible]

लीयन् ॥ गुह्यदन्तनादिनाद ॥ रवति ॥ उच्छमनीयसूटिलायन् रवति ॥ अतिशयनगुन्नेनायात् ॥
 गनिष्ठ ॥ गनिमा ॥ गुनाकुवि ॥ यष्ट ॥ ययान् ॥ सूविष्ट ॥ सूवायात् ॥ लीलायैका सदादीयस ॥
 का ॥ दाल्यनस्य लीयस लीका लाया रवति ॥ कायात् ॥ कष्ट ॥ दाद्यत्यडाद्याद ॥ अतिशयनदाद्यिद्या
 यान् ॥ दाद्यिष्ट ॥ यक्षत्य ॥ द ॥ अतिशयक्षयक्षत्य ॥ ययान् ॥ अतिशयन ॥ वक्षानिष्टयि ॥ वक्ष
 नद्यत्य उच्छयययय ॥ कानस्य यिरवति ॥ वक्षान् नक्षनाद ॥ रुयिष्ट ॥ रुयान् ॥ किमाययादाख्या
 गाच्चतननमया नामागमावक्य ॥ किनर्ना ॥ किनर्मा ॥ कृत्तुर्मा ॥ यनमाक्षव ॥ कृत्तुमाक्षवामानि

रकर्वी ॥ उच्चैरुत्तमयति ॥ यवनिगमा ॥ य० गितमा ॥ यत्रिमा ॥ धद द्यादय ॥ जानुद द्यजली ॥ जि
 नादयसी ॥ मानमायय ॥ यत्रममार् ॥ द्यावर्दना ॥ केकयनिद्वानि ॥ किमादित्या ॥ नवउगमोवक
 यो ॥ कनदारवत ॥ कोच ॥ कनमारवनीशानिक ॥ रावना ॥ यनवकाकि कलुवउरुकाउ ॥ सखा
 यवि ॥ शमावधन ॥ धदिनि ॥ त्याकीय ॥ ग्याधीयन ॥ गसियसान ॥ हनीय ॥ मटवउमामं ॥ ॥
 यष्ट ॥ वउथ ॥ कासीखाअथ गिकति ॥ कनिययाथ ॥ कनिथ ॥ कनिययथ ॥ विंशत्याद
 वामट ॥ विंशतिगम ॥ विंश ॥ शिंशलम ॥ शिंश ॥ शनादनिर्त्य ॥ शननम ॥ यं वादम ॥ यं वम ॥
 न१
 कति २

संकम ॥ अरुम ॥ नवम ॥ दशम ॥ दववग ॥ नकादशम ॥ उवाहिलय ॥ नकादशमनिर्त्य
 दार्घ ॥ नकादश ॥ द्वादश ॥ त्रयादश ॥ अष्टादश ॥ नकादशमानी ॥ नकादशया ॥ द्वादश ॥ विंश
 नयि ॥ विंश ॥ सखाया ॥ युकावध ॥ द्विधा ॥ त्रिधा ॥ चतुर्धा ॥ पञ्चधा ॥ षड्धा ॥ सप्तधा ॥ अष्टधा ॥ नवधा ॥ दशधा ॥
 धं ॥ क्रियाया ॥ आवलोक्य ॥ यववान् ॥ निनि ॥ यववृक्ष ॥ यट्कृक्ष ॥ सूर्यसायान ॥ सप्तलो ॥ सुर्वा ॥
 योर्षी ॥ द्विगित्या ॥ द्विर्क ॥ त्रिर्क ॥ वक्रादश ॥ वक्रवानानिनि ॥ वक्र ॥ ह्रविंश ॥ कनिश ॥
 ॥ गल ॥ अत्य ॥ लोक ॥ अनक ॥ याद ॥ ग्यायजोसखाया ॥ द्विगय ॥ त्रिगय ॥ सवग ॥

[illegible][illegible]

卷三

५३
 भागवतिदिवोदोयन ॥ १०३ ॥ ननेने ॥ विरक्तिवचनलिगत्वाददनस्यान् ॥ निधन ॥ निधना ॥ निधन ॥ नि
 धथा ॥ निधथा ॥ निधन ॥ निध ॥ निधवहि ॥ निधमहि ॥ ॐ कदुर्गनांकनया ॥ वरुमान ॥ ॐ कन ॥ ॐ कन ॥
 ॐ कन ॥ विष्णो ॥ ॐ कन ॥ ॐ कयागा ॥ ॐ कन ॥ श्री ॥ ॐ कन ॥ ॐ कन ॥ ॐ कन ॥ ॐ कन ॥
 ननयगननन ॥ निधन ॥ निधन ॥ निधन ॥ ॐ त्यादि ॥ इयवययाक ॥ इकावयकार्मनूवत्थीकायथि ॥
 वकावय कानउरययुद्ध ॥ इयवयवादि यथाग ॥ इयवयवनि ॥ वरुमान ॥ यवनि ॥ यवग ॥ ॐ
 द ॥ यवनि ॥ विष्णो ॥ यवनि ॥ यवनी ॥ यवय ॥ श्री ॥ यवउ ॥ यवगा ॥ यवनी ॥ यवग ॥ ननयगन ॥

三

दिव्य एव
 श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥
 नयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥
 श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥ श्रयवन् ॥
 वीजिय ॥ जयति ॥ जयन् ॥ जयन् ॥ जयन् ॥ जयन् ॥ जयन् ॥ जयन् ॥ जयन् ॥ जयन् ॥ जयन् ॥
 उद्विज ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥
 श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥ श्रवन् ॥

[illegible]

[illegible]

संकार्या ॥ वाचस्पत्युक्तं ॥ संकार्या ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ कवद्वद्विद्वद्वनया ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥
 याचस्पत्युक्तं ॥ दवगनया ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ दवगनया ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ दवगनया ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥
 दवगनया ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ दवगनया ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ दवगनया ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥
 सवयान्तानां ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥
 ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥
 वनि ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥ अथवाचस्पत्युक्तं ॥

न॥ आर्त्ता॥ आदन्॥ आदः॥ आरु॥ आरु॥ आर्यं॥ आद्य॥ आद्य॥ शीरुख्यं॥ रुकावश्रमनयदार्थः॥ य
ध्वल्लगादि॥ शीरु॥ सद्यः शीरुगुरुक्षेत्रवति॥ क्रियत्यययवगुरुक्षेत्रवति॥ शान्॥ शयान॥ शीरुनाः
बृट्॥ शीरु॥ यवायाकृतुत्यनस्यभूतगमावति॥ शाना॥ कादनन॥ शानश्रमनयदस्याकृतुत्यनस्य
हवति॥ अनकावाइरुवत्य॥ शवन॥ शय॥ शयाथ॥ शय॥ शय॥ शवरु॥ शमरु॥ विष्णो॥ शयान्॥ श
यायानी॥ शयीवन्॥ शयीथा॥ शयीयार्थ॥ शयीर्थ॥ शयीय॥ शयावहि॥ शयामहि॥ श्रीशी॥ शनी॥ शया
नी॥ शवनी॥ शय॥ शयार्थ॥ शय॥ शये॥ शयावहे॥ शयामहे॥ अनयनन॥ श्रीशान्॥ श्रीशयानी॥

[illegible]

दो अयिने हुनियरुर्लशरानमवश्रुद्विषयशुद्धनानि ॥ कुवनि ॥ कुवायि ॥ कुध ॥ कुध ॥ कुवामि ॥ कुव ॥
 कुम ॥ कुन ॥ कुवान ॥ कुवन ॥ कुष ॥ कुयादि ॥ कुवश्रुद्विषयवानां ॥ कुवउरुनयानिवादीनीयक्षणां
 लय अउम उम थय अथम कुयनयर्कदक्षारवति ॥ लकानावृद्धार्थ ॥ श्रु ॥ श्रुउ ॥ श्रु ॥ नथ
 ॥ थकानयनकुवोरुकोनयनकानादक्षारवति ॥ श्रु ॥ श्रुथ ॥ विधिसीतावधया ॥ कुयान् ॥ कुयानी ॥
 कुय ॥ कुयान् ॥ कुयान् ॥ कुयी ॥ कुयाव ॥ कुयाम ॥ कुवीन् ॥ कुवीयान् ॥ कुवीनन् ॥ कुवीथ ॥ कुवीयाध
 ॥ कुवीध ॥ श्रु ॥ कुवीउ ॥ कुनादा ॥ कुनीकुवन्तु ॥ उवाक ॥ कुहि ॥ कुनादा ॥ कुन ॥ कुवामि

न

॥ कुवामेव ॥ कुवाम ॥ कुनी ॥ कुवानी ॥ कुवतां ॥ अनयनेने ॥ कुववीन् ॥ कुनी ॥ कुवन् ॥ कुव
 ॥ कुनी ॥ कुन ॥ कुव ॥ कुव ॥ कुम ॥ कुन ॥ कुयानी ॥ कुनन् ॥ कुयादि ॥ कुवमय
 यिलुचिकनभाउद्वया ॥ रयायकथन ॥ यायाव ॥ दास्य ॥ रुद्रक्ष ॥ वागनिवधनया ॥ याय
 न ॥ सादीको ॥ मामान ॥ लाग्रु ॥ नादान ॥ सोसोव ॥ कुयादया ॥ ययिषाउयादिवगनया ॥ लघि
 कनलयायिशलायादिगलस्यवि ॥ म ॥ सनिगमिनकागद्विवन ॥ रुदानादैननया ॥ कादद्विध
 ॥ रुकुयाद ॥ रुकुयनस्यायालु ॥ रुवति ॥ सखनादिद्विद्वि ॥ सखनाया ॥ वय ॥ वादिनकादिद्विद्वि ॥

कूहाध्वः॥ पूर्वसमन्विनाः कवर्जकान्याध्वर्जवति॥ ज्यानां जवदयाः॥ पूर्वसंवाचिनां ज्यानां
जवाध्वयाध्वरवनि॥ कमाकमववनां जवध्वतानां जउदगवावरुद्ध ० धर्मावठ केनेया रवनि
रुहानि॥ रुद्रगः॥ द्रुः॥ द्विभूका इरुवस्यानं यनस्यारुवनि॥ रुद्राणि॥ रुद्राधि॥ रुद्रधः॥ रुद्र
थः॥ रुद्रामि॥ उवाध्वलायः॥ यययसमन्विनउकावस्यवमाः॥ यनयाध्वलायारवनि॥ कविचययि॥
रुद्रः॥ रुद्रवः॥ रुद्रः॥ रुद्रमः॥ रुद्रयागः॥ रुद्रयार्गः॥ रुद्रयः॥ रुद्रयाः॥ रुद्रयार्गः॥ रुद्रया
गः॥ रुद्रयाः॥ रुद्रयावः॥ रुद्रयामः॥ रुद्रादि॥ रुद्रसगिवादिध्विध्वकयः॥ रुद्रिहार्ग रुद्रानि॥

७०

यातिनायानां संज्ञात्वात्॥ रुद्रात्॥ रुद्रनादा॥ रुद्रर्गः॥ रुद्रउत्॥ रुद्रः॥ रुद्रात् इरुवस्यारुद्रिध्वकयः॥
रुद्रधि॥ रुद्रनादा॥ रुद्रर्गः॥ रुद्रगः॥ रुद्रवानि॥ रुद्रवावः॥ रुद्रवामः॥ रुद्रान्॥ रुद्रर्गः॥
रुद्रउत्॥ द्विभूका इरुवस्यानउमरवनि॥ रुद्रवावः॥ रुद्रवामः॥ रुद्रान्॥ रुद्रर्गः॥ रुद्रउत्॥
रुद्रधः॥ रुद्रवः॥ रुद्रमः॥ रुद्रयागः॥ रुद्रयार्गः॥ रुद्रयः॥ रुद्रयाः॥ रुद्रयार्गः॥ रुद्रया
गः॥ रुद्रयाः॥ रुद्रयावः॥ रुद्रयामः॥ रुद्रादि॥ रुद्रसगिवादिध्विध्वकयः॥ रुद्रिहार्ग रुद्रानि॥

[illegible][illegible]

62

दशनि॥

[illegible]

कथनं ॥ २

दल॥ २

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

अनंमहि ॥ १

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

न्यू॥ ननूया॥ ननूयार्ग॥ ननूयाग॥ ननूयां॥ ननूयाव॥ ननूयाम॥ ननाउ॥ ननूनाद्या॥ ननू
 नी॥ ननूवु॥ अर्वा॥ ननू॥ ननूनाद्या॥ ननूनी॥ ननूग॥ ननूवानि॥ ननूवाव॥ ननूम॥ अगनाग
 ॥ अगनूनी॥ अगनूवु॥ अगनूनी॥ अगनूनी॥ अगनूग॥ अगनूव॥ अगनूम॥ इकावकावे
 उरययदार्थ॥ इकावसामकायाथ॥ ननाकनूय॥ इतिमियलुतिहिग॥ सकावसु॥ ६
 न॥ नूयलुति॥ ६॥ कवागि॥ इति॥ कवागनकावसुउकावावमिहिगिविरकोयवग॥ ६॥ कनूत॥
 ॥ कर्वागि॥ कवागि॥ कनूथ॥ कवागि॥ क॥ अनिखीवमानुलायावकय॥ कर्वाकर्म॥ क

कनूथ॥ १

अर्थ॥ क॥ उरुनसुउकावसुलावमियकावयव॥ कर्थाग॥ कर्था॥ कर्था॥ कर्था॥ कः
 यार्ग॥ कर्थाग॥ कर्था॥ कर्थाव॥ कर्थाम॥ कवाउ॥ कनूनाद्या॥ कनूनी॥ कर्वा॥ अर्वा॥
 कनू॥ कनूनाद्या॥ कनूनी॥ कनूग॥ कवावेलि॥ कनूवाव॥ कनूवाम॥ अकवाग॥ अकनूनी॥
 अकनूवु॥ अकवा॥ अकनूनी॥ अकनूग॥ अकनूव॥ अकनूव॥ अकर्म॥ असनयव॥ यि॥
 कनूग॥ कर्वागि॥ कर्वागि॥ कनूय॥ कर्वाथ॥ कनूथ॥ कर्वा॥ क॥ अनिखीवमानुलायावकय॥
 कर्वा॥ कर्म॥ कर्वागि॥ कर्वायार्ग॥ कर्वावु॥ कर्वाथ॥ कर्वायार्थ॥ कर्वाथ॥ कर्वाय॥

[illegible]

ॐ
 न् ॥ स्यसेउ ॥ अस्यसन् ॥ सृजविस ॥ सृजति ॥ सृजन् ॥ स्रुन ॥ स्रुन ॥ स्रुनति ॥ स्रुनत् ॥
 स्रुनउ ॥ अस्रुनन् ॥ सर्वसुखनयदयि ॥ रुत्यादि ॥ ॥ इति रुद्रयविनिमय ॥ अका
 नउरययदार्थ ॥ नाकादौ ॥ कादगर्जनां नायत्यया रावति कर्तृविहितव्यवउर्भयनय ॥ यूर्ना ॥
 नका ॥ काक्षति ॥ रुद्रस ॥ ना रुद्रस्य नत्या का नस्य रुद्रस्य रावति दिनिह सयन ॥ काक्षीग ॥ नाति ॥
 ना रुद्रस्य नत्या का नस्य लाया रावति दिनिह सयने न ॥ काक्षीमि ॥ काक्षसि ॥ काक्षीथ ॥ काक्षीय ॥
 काक्षीमि ॥ काक्षीव ॥ काक्षीम ॥ काक्षीयान् ॥ काक्षीयानां ॥ काक्षीयूं ॥ काक्षीया ॥ काक्षीयानं ॥

栗又

[illegible]

३२

၅၈၃

नार

齊又

त्वादध्यागार्हस्पातवति ॥ लूनाति ॥ लूनी ४ ॥ लूनाकि ॥ लूनीयान् ॥ लूनाउ ॥ अलूनीन् ॥ सर्वशकलनायः
 क्रियादृष्ट्या ॥ एतच्चविराकिचउष्ट्यासावधुअउकसंरूयनमाधुअउकसंरूउयालेंजानी ॥ **हुं** क **हू** य
 क्रिया ॥  ॥ अथतावकर्मक्षयक्रियक्रियानिब्रूयत ॥ अथगदाधिका नार्थः ॥ अहुविकर्मसि
 ॥ अकर्मकल्याणुविरावसकर्मकथश्चकर्मसिअत्मनयदंरवति ॥ नविद्यनकर्मयथातअकर्मकां ॥
 यवकर्मसिनयदाक्रियामाहुअकर्मका ४ ॥ लूनधआसगादयहृतय ४ ॥ लूजासलाहितिजागनर्नव
 द्विद्वयंजाविगमनर्न ॥ गयनकाउाविदीस्थधुअउगर्ननमकर्मकमाहु ४ ॥ सन्माउतावर्णिग ४ ॥

हयः १५३५३

दष्टैयचक्रानके॥४॥कार्थ॥कवलीछद्वासावहुश्रिधायन॥यङ्कउर्व॥धातार्तावकर्मविचय
कयुस्यारुवतिचहुष्यूर्वाकष्यनन॥४॥ककाचयुधयतिषकार्थ॥सावस्येकवादेकवच
नेमरवतियथमयूनमस्य॥स्यनरावता॥नधनधामिक्केषाआसउयवशन॥आस्यनसहि॥४॥अ
कानआत्मनयकार्थ॥४॥नयननूड॥४॥सर्वगनीरागु॥४॥रुवतामि॥अकर्मकायेकदाविलेकम
कनीरवति॥नथावाकं॥४॥वर्धवाधनकश्चिक्केचिक्केमनवरुन॥विजिननिरुमवीधमयन
गोपिभामना॥उयन॥गोपिभामना॥वलादशयनायन॥विहानीरानसीदानयनिदान

यहानवर्गहुमिदवनाग॥सखमनूयनसामिना॥यउकर्मसायकांक्रियामाद्रुक्कर्मका॥४॥क
४॥क्रियनकांक्रिय॥४॥वै३४॥क्रियनका॥४॥सूखदक्रिय॥अयक्रिद॥मकानस्यविदाद॥४॥
रवस्यकानयस्ययकिवयन॥४॥कानाचवधनकार्थ॥४॥क्रियन॥क्रियन॥हुयादीयहुतिरु
ननदी॥४॥मृदुयाभया॥४॥क्रियन॥क्रियन॥॥क्रियनी॥अक्रियन॥वर्दरुआदव॥दानमादि
यन॥आदियन॥आदियनी॥आदिन॥दुगरुन॥४॥क्रियन॥धनवीन॥४॥क्रियन॥क्रियनी॥४॥
अक्रियन॥य॥यकानयनयुर्वस्यदीधोरवति॥विश्वयन॥हुक्काश्यायने॥४॥वीयन॥४॥

पत्र

कि २

मृगुक्षसंयोगः कर्तृत्वनविवक्षितकर्मकर्ता ॥ कियमाहं उयत्कर्म स्वयमवयसिद्यति ॥ सूक्तने ४
 मृगुक्षे ४ कर्तु ४ कर्मकर्तृनिगदिदृ ४ ॥ नय नदवादाह नर्त ॥ यचनडादन ४ स्वयमव नार्हडाद
 नयचामि ॥ यचन ॥ यचन ॥ यचन ॥ अयचन ॥ अयचन ॥ सिदिनविदान ॥ ॥ सिद्यनकाष्टं स्वयम
 व ॥ नार्हकाष्टीनिमि ॥ लूयचन ॥ लूयनकादान ४ स्वयमव नार्हलूनामि ॥ लूयन ॥ लूयन ॥ लूयन ॥
 मूलयन ॥ द्विकर्मकादाह नर्त ॥ इहियाविब्रुषिचि ॥ सिद्धिचि ॥ मूययागनिमिरुमयविवि ॥
 वविष्मसि सुधनवत्सु न नदकाहिनमावविर्नकविना ॥ लीययाव न ॥ अकानउरययदार्थ ४ ॥

ऊ१

आद ४ सु ४ ॥ नगर्ननायननागविकेवर्नवन ४ ॥ द्याचया क्रायी ॥ राजनीया चनयऊमानाया
 वकन ॥ याचन ॥ याचन ॥ याचन ॥ अयाचन ॥ आदया ॥ यननिष्कर्म गत्यर्थमुख्यकर्मसि ॥ य
 ल्ययानियायादि ॥ मोक्षत्वचयथाववि ॥ यत्नेहीयायी ॥ गहोक्तिनिर्मेयसावर्त ॥ यच्चतयर्थानु
 यथिकोया ४ ॥ सिध्यलत्राचार्यलुर्वयचन ॥ हुमितावकर्मयक्रिया ॥ ॥ यून ४ कर्तु ४
 नीयलीयन ॥ यनाक ॥ लय ॥ अउर ॥ उर ॥ थय ॥ अथर ॥ अ ॥ लय ॥ व ॥ म ॥ ॥ अ ॥ ल ॥ म ॥
 आथ ॥ ॥ ॥ वरु ॥ मरु ॥ मना ४ यनाक ॥ गीतकाललवादय ४ ॥ यथयतिवक्ति ॥ ॥ यीसीहानि

न३

३

[illegible]

आसु ॥ आसिथ ॥ आसु ॥ आसुथ ॥ आसु ॥ आसु ॥ आसिव ॥ आसिम ॥ कासादियथयादाम्
 कसुयन ॥ कादका ॥ यथयाकाचधवोदोयन आसुयथयावनि ॥ सचकसुयन ॥ य
 याकथ ॥ कासुयक ॥ साया ॥ मकानि कायाथ ॥ आसुयथ ॥ कासावका ॥ कासा
 वंउ ॥ कासावक ॥ कासावकथ ॥ कासावकथ ॥ कासावक ॥ कासावका ॥ कासा
 वकम ॥ आसुनेय ॥ कासावक ॥ कासावका ॥ कासावके ॥ कासावक ॥ कासा
 वकाथ ॥ कासावक ॥ कासावक ॥ कासावकव ॥ कासावकम ॥ कासामास ॥ कासामास

क३

कासावकव

उ ॥ कासामासउ ॥ कासामास ॥ कासामासिथ ॥ कासामासु ॥ कासामासुथ ॥ कासामास ॥ कासा
 मास ॥ कासामासिव ॥ कासामासिम ॥ कासामास ॥ कासामासा ॥ कासामासि ॥ कासामासिथ ॥
 कासामासाथ ॥ कासामासिथ ॥ कासामास ॥ कासामासिव ॥ कासामासिम ॥ कासावकव ॥
 कासावकवउ ॥ कासावकव ॥ वकासुदाको ॥ वकासावका ॥ वकावकउ ॥ वकासावक ॥
 वकासामास ॥ वकासामासउ ॥ वकासामास ॥ वकासावकव ॥ वकासावकवउ ॥ वकासा
 वकव ॥ कागुनिडाकथ ॥ अउ आसुयथयथयद ॥ विषि आसुयथयतिनि कवावदिर्वन

[illegible]

विदीवह्व ४॥ उषविजागृथो वामवकृ ४॥ उषीवकान ॥ उषाम ॥ विदीवकान ॥ विद्वद ॥
जागनीवकान ॥ उजागन ॥ उजागदधनीकनया ४॥ उषीवक ॥ उषीवकान ॥ उषीवकि
न ॥ उषीवामास ॥ उषीवामासाग ॥ उषीवामासिन ॥ उषीवामासिवह्व ॥ उषीवामासिवान ॥ उषीवामासिवि
न ॥ उषीवामासिविह्व ॥ उषीवामासिविह्वान ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥
उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥
उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥
उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥ उषीवामासिविह्विन ॥

तिद्विर्त्तनः॥ तुमिन्कावः॥ रुध्रं लुकिं तुमिन्कावः॥ रुध्रः॥ तुमिसकावः स्यत्रः॥ मया
 नाजिववया तुमिवकावः॥ विरुर्वाचकावः॥ विरुर्वाचकः॥ विरुर्वाचकः॥ वरावः॥
 वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥ वरुः॥
 दिध्निद्विर्त्तनः॥ रुध्रं लुकिं तुमिन्कावः॥ रुध्रः॥ तुमिसकावः॥ रुध्रः॥ तुमिसकावः॥ रुध्रः॥
 रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥
 रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥ रुध्रः॥

ति२

जिऊय ॥ जिऊय ॥ जिडियव ॥ जिडियिम ॥ डिउयय ॥ यालयीवरुव ॥ यालयीवकान ॥ यालया
मास ॥ विदेदमुवादावपिश्रामक ॥ नयययागयेनाकये ॥ विदीकवाउ ॥ विदीकरतात ॥
विदीकनूनी ॥ विदीकवकु ॥ विदीकनूविदीकनूनाद्धा ॥ विदीकनूनं ॥ विदीकनून ॥ वि
दीकनवाल्लि ॥ विदीकनवाब ॥ विदीकनवाम ॥ रुयादि ॥ डिऊयस्यनाक्षयजिनि ॥ अना
४स्ययययनीक्षयार्जिगेनादल्लरुवमि ॥ आरुभननवीद्विलहन ॥ कृहाध ॥ जिभय ॥ जिथ्ठ
॥ जिथ्ठ ॥ जिभयिथ ॥ जिभथा ॥ जिभथ्ठ ॥ जिथ्ठ ॥ जिभय ॥ जिभय ॥ जिथिव ॥ जिथिम ॥ देविह्याः

यद्भवयान्त्यकालयिषवादिर्वक्य ॥ सूका ॥ हं किल लायविलाय ॥ विललाय ॥ अउयय
 या ॥ लायययौ कियेयय ॥ विलयय ॥ विलयय ॥ विलयय ॥ विलयय ॥ विलयय ॥ विलयय ॥ विलयय ॥
 ललाय ॥ विललय ॥ विलयिव ॥ विलयिम ॥ नार्ह कलि संजगम ॥ गमू मो ॥ ६ का वा ६ दि कार्या र्थ ॥
 ॥ पूर्ववधुर्वदि ॥ कदा धूनिमिज कान ॥ दिव्य ॥ जगम उययया वृद्धि ॥ गमाखन गमहन जन
 खन घट ॥ ७ थयामययया लाया रावति किदि तिस्र नयन ॥ जगम ॥ जगम ॥ जगमिथ ॥ जगमिथ ॥
 जगमिथ ॥ जगम ॥ जगम ॥ जगम ॥ जगमिथ ॥ जगमिथ ॥ जगमा गह्या दक्षिर्धदिर्ध ॥ रुनहि सागया ॥

१०१

॥ २

अकान उच्चान्धार्थ ॥ रुनाध ॥ रुकधर्मा रुकान्धययका वा रावति न कान्धिगिचयन ॥ दिव्य ॥ कदा
 धूनिमिथर्वकान्धयमकान्धन ॥ मयानाजवचया ॥ ७ निजकान ॥ उययया वृद्धि ॥ जघान ॥ मू
 बागना कऊललायलाल्या ॥ लङ्गामुखा राजविलसिह ॥ निनीस विदुददधननस्य जघानकीस
 किलवासुदव ॥ वरुजवाधसुनवा रुदधन ॥ रुनधदेत्यस्य विरुदवक ॥ निनीस विदुददधन
 ननस्य जघानकीस किलवासुदव ॥ गमाख न जघन ॥ जघन ॥ जघनिथ ॥ जघनिथ ॥ जघनिथ ॥ जघन
 थ ॥ जघान ॥ जघन ॥ जघिम ॥ जनायाइरावि ॥ ७ कान आत्मनयदार्थ ॥ आत्मनयदययययय ॥

जघन ॥ १

॥ जघिव ॥

702

५२

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

ङकावकासनयदार्थः॥उकावउदिकार्यार्थः॥नृगमः॥अदोभेनामकायादिभ्यउसीयाग्नकाका
 नादिभ्यः॥रुनीयुर्वस्यनृगमाग्नवनिभ्योयनसति॥ककावकननियमार्थः॥उकावउवावार्थः॥
 ॥अभादानीलवादीयुर्वस्यसर्वेणदाद्योवकयः॥विद्युर्वः॥यानः॥विश्वरूपवान्॥यानः॥
 याननिव॥याननिष॥यानभः॥याननिधि॥यानः॥याननिवह॥याननिमह॥अश्व
 किमुकलकाकिगतिम्॥उकाव उदिकार्यार्थः॥द्विर्त्त॥नृक॥आदीर्घाविद्यात्वं॥आनअ
 दिनीकर्त्तृसनकावित्॥आनऊउ॥अनैरु॥आनैरिथ॥आनैरुथ॥आनैरु॥आनअ॥आ

१०३

नञिव॥आनञिम॥अर्वयुजायां॥अकावउरययदार्थः॥युर्ववन्॥आनर्व॥आनर्वउ॥आन
 र्व॥आनर्विथ॥आनर्वथ॥आनर्व॥आनर्व॥आनर्विव॥आनर्विम॥विश्वयन॥विनागदा
 योवाकिल्वकय॥निनयुर्व॥॥द्विर्वकनकिमि॥॥द्विर्वकनकिमि॥॥द्विर्वकनकिमि॥॥द्विर्वकनकिमि॥॥
 ॥आविमर्ज॥विमर्जनायस्यस॥का॥धृति॥धृतिमिथ्यार्थः॥निधिकायचिर्ननाज॥असीयाग
 त्वायकाव॥निधिकाव॥निधिका॥निधिकाथ॥निधिका॥निधिकाय॥निधिकाय॥निधिका
 व॥निधिकाम॥यक्ष॥विद्याय॥विद्यउ॥विद्यु॥गुरुउयादान॥द्वि॥अतिद्विर्त्त॥युर्वस्यरुसा

दि॥ (१) ॥ गयस्य ऋनिष्ठि॥ कदा॥ ४॥ निष्ठादयथावृद्धि॥ जगद्गुरु॥ जगद्गुरु॥ जगद्गुरु॥
 रु॥ सृष्ट्वा विज्ञानसंयमानं नृणां कर्तृवत् ॥ जगद्गुरु॥ जगद्गुरु॥ जगद्गुरु॥ जगद्गुरु॥
 जगद्गुरु॥ जगद्गुरु॥ यैः सर्ववत् ॥ दिव्यवनादियुवतः ॥ एवादीयुवस्य निःसंयमानं ॥ दीर्घवत्
 दीर्घसंयमानं ॥ रु॥ निष्ठावृद्धि॥ आतोत्राग्निनः ॥ रुनिष्ठि॥ नः ॥ संयुक्तः ॥ यका
 नः ॥ स्रवदानीयनसंयमानं ॥ संविद्यायस्त्वज्ञानं ॥ गृहीतुमिच्छति द्विगुणं संयमानं ॥ संविद्य
 उ॥ संविद्य॥ संविद्ययिथ॥ संविद्यथ॥ संविद्य॥ संविद्याय॥ संविद्यय॥ संविद्यव॥ संविद्यम॥

द्विगुणं संयमानं ॥ संविद्य॥ संविद्यान॥ सविद्यवत् ॥ वरुणसंयमानं ॥ वरुणसंयमानं ॥ वरुणसंयमानं
 नयिविषयवयम् ॥ रु॥ रुवति ॥ दि॥ (२) ॥ निष्ठि॥ युवस्य निःसंयमानं ॥ अगुणायवृद्धि॥ उवा
 य॥ द्विगुणस्य यजुर्वनाक्षमिषादि॥ उयु॥ उयु॥ उवयिथ॥ उयथु॥ उयु॥ उवाय॥ उवय॥
 उयिव॥ उयिम॥ वरुणसंयमानं ॥ अकावडवावस्य ॥ दि॥ (३) ॥ निष्ठि॥ युवस्य निःसंयमानं ॥ यका
 नस्य॥ उयथावृद्धि॥ विद्याध्वं द्विगुणस्य यजुर्मिषादि॥ विविधउ॥ विविधु॥ विद्ययिथ॥ विविधि
 थ॥ नः ॥ मरुजवा॥ विद्यध्वं ॥ विविधथु॥ विविध॥ विद्याध्वं ॥ विद्यध्वं ॥ विविधिव॥ विविधिम॥

प्रेयवसेयद ॥ दयान ॥ दयाली ॥ दयासू ॥ दयापि ॥ दयाली ॥ दयाफ ॥ दयास ॥ दयासू ॥ दयास ॥ यादा
दाविनिदेवनात ॥ साष्टादो ॥ कोनानरुवति ॥ दासीष्ट ॥ उक्ताष्ट ॥ वनयावनाया ॥ ४ ॥ धयान ॥ धासा
ष्ट ॥ यायान ॥ ययान ॥ के ॥ गे ॥ ४ ॥ द ॥ सीधदना ॥ धमा ॥ गयान ॥ द्वागतिनिवृत्तो ॥ हयान ॥ मामो
न ॥ मयान ॥ मयाली ॥ मयासू ॥ मादुमान ॥ दकाव आत्मनेयदार्थ ॥ मासाष्ट ॥ मासायाली ॥
मासावतु ॥ मासाष्ट ॥ मासायाली ॥ मासाधम ॥ मासाय ॥ मासावहि ॥ मासामहि ॥ डादाकत्या ॥ ग ॥ द
यान ॥ ४ ॥ ननूकन ॥ ४ ॥ सीधदना ॥ धमा ॥ ४ ॥ यान ॥ सीयागदना ॥ सीयागदना ॥ सीयागदना ॥

नाद (अरुवति वा ॥ यादादावनयिविषय ॥ अकावाकयूसिया ॥ अदिमूष्कादुर्वर्जनीयं ॥ यादा ॥
 (सुयात् ॥ ॐ मिथादि ॥ अकृशकन (॥ यादादी ॥ यादादीयनसकायनिदाद (अरुवति ॥ ॐ
 कानयेवधनसार्थ ॥ क्रियात् ॥ क्रियात् ॥ क्रियात् ॥ ॐ त्यादि ॥ क ॥ ॐ मंगलव ॥ क्रियात् ॥
 कश्च अश्च ॐ ॥ अक ॥ ॥ आत्मनयदयि ॥ ॐ ॥ सकानस्यसिथाननिटा ॥ यनयायु (अनरुवति ॥
 अथमांरुवति ॐ ॥ तिनि यम ॥ कषाष्ट ॥ कषायाष्ट ॥ कषानन ॥ कषाष्ट ॥ कषायाष्ट ॥ कषार्ध ॥
 कषाय ॥ कषावहि ॥ कषामहि ॥ विष्कर्मंगलकषाष्ट ॥ वि ॥ वयन ॥ य ॐ तिदाद्य ॥ वायात् ॥ वा

१००

੨੮

[illegible]

[illegible]

五

नि २

[illegible]

ॐ निश्चयप्रक्रिया ॥ ३

[illegible][illegible]

सागभ १

११४

५२

[illegible]

गी२

यका नह का नया क्रि का नो ह व ति स का न व न ॥ २

[illegible]

۷۷۹

[illegible]

क३ आ३ य३

[illegible]

১৪৪

धातु(र्थ) २

[illegible]

720

三

षायाह्मा ॥ कनिषायाह्मा ॥ कनिषावन ॥ **अनूरा** ॥ अनूराविना ॥ अनूराविनामो ॥ अनूराविनामो ॥ अनूरावि
 नाव ॥ **निवा** ॥ अनूराविना ॥ अनूराविनामो ॥ अनूराविनाव ॥ अनूराविनासि ॥ अनूराविनासु ॥
 अनूराविनासु ॥ अनूराविनासुसि ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ **स्य** ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥
 अनूराविनासु ॥ **निवा** ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥
स्य ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥
 अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥ अनूराविनासु ॥

अन्वहवि॥१

[illegible]

१२१

ਸੀ ੨

मां ॥ निनाधमिषन ॥ यदगो ॥ अकावउच्चनेधथः ॥ यनियुर्वः ॥ यययादि ॥ यययत्तागी ॥ यययत्स
 न ॥ यययत्स ॥ अराधि ॥ अराधियानी ॥ अराधियन ॥ यययनिगाय ॥ अवाधि ॥ अवाधियानी ॥ अवा
 धियन ॥ अवाधियानी ॥ अवाधियन ॥ अवाधियानी ॥ अवाधियन ॥ अवाधियानी ॥ अवाधियन ॥ अवाधियानी ॥
 याय ॥ निनयुर्वः ॥ निनयुर्वः ॥ निनयुर्वः ॥ निनयुर्वः ॥ निनयुर्वः ॥ निनयुर्वः ॥ निनयुर्वः ॥ निनयुर्वः ॥
 निनयुर्वः ॥ अवाधियन ॥ याय ॥ अनायुक् ॥ अकावाकाद्यानायुग्मगमासवनि ॥ अनायुक् ॥ अनायुक् ॥
 अनायुक् ॥ अनायुक् ॥ अनायुक् ॥ अनायुक् ॥ अनायुक् ॥ अनायुक् ॥ अनायुक् ॥ अनायुक् ॥

३२

[illegible]

धा २

हमादधीगावनिभय॥ यद्ययत्ययारवतिगमिन्सक्तिधनाद्विध्वनं॥ यदि॥ यद्ययनयव्वस्यनामिः
नागु॥ रावति॥ मदानां उवचेयांतिवकाव॥ सुसर्लायां॥ वाह्ययुक्तिमिन्॥ सधु॥ यद्यदि
यत्ययान्॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥
॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥
लनात्यवहानया॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥
वाद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥ यद्यद्युसंलावति॥

[illegible][illegible]

[illegible]

न॥ ममायन् ॥ ममायतां ॥ अममायन् ॥ मा कर्मनी ॥ अद्व ४ स ४ ॥ यदिति दृष्टव्यमुत्त ४ ॥ यदाद्ये ४ ॥ किलात्य
४ स ४ ॥ स्वायन् ॥ स्वायतां ॥ असवायन् ॥ गंगी ॥ उगीयन् ॥ उगीयतां ॥ अउगीयन् ॥
दादन ॥ दाद्यालन ॥ दाद्वरखुन ॥ अनखांदादिहारावान् ॥ दादायन् ॥ दादायतां ॥ दादायतां ॥ अदादायेन
॥ यायायन् ॥ याययतां ॥ आयायन् ॥ आयायतां ॥ अयायायन् ॥ जाहायन् ॥ जाहायतां ॥ अजाहायन् ॥ दे
यः ५ ॥ धन ॥ दादायन् ॥ स्वविषयमित्यर्थसंबन्धान्नर्हि किञ्चित् ॥ कनदिर्वि ॥ सायथ्यन् ॥ सायथ्यतां ॥ असा
यथ्यन् ॥ समअदन ॥ ससिम्यन् ॥ ससिम्यतां ॥ अससिम्यन् ॥ ववीयन् ॥ ववीत ॥ ववीतां ॥ अववायन् ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

श्रुवाचोदं ॥ श्रुवाचुद ॥ श्रुवाचुम ॥ ॥ ३ ॥ यवमयाक ॥ श्रुनः ॥ यदिसमियुर्वस्यश्रुकावस्यश्रुकावाव
नि ॥ श्रुनिः ॥ यदुसादयदुद्विध ॥ श्रुनविचरुसान् ॥ रुसादरुनस्ययदालुश्रुवति ॥ यादवाति ॥ वाः ॥ कः ॥ यायकि
॥ यायः ॥ कः ॥ यायचति ॥ यायचावि ॥ यायदि ॥ यायकु ॥ यायकु ॥ यायवमि ॥ यायग्नि ॥ याययच्च ॥ यायच ॥
याययान ॥ याययानां ॥ यायय ॥ यायया ॥ याययानं ॥ याययान ॥ याययानं ॥ याययाव ॥ याययास ॥ ययय
॥ ३ ॥ यायकु ॥ यायकान् ॥ यायकां ॥ यायावउ ॥ याययु ॥ यायकं ॥ यायक ॥ यायवानि ॥ यायवाव ॥ यायवाम ॥
रुथारुसान् ॥ श्रुयायक ॥ श्रुयायन् ॥ श्रुयायवीत् ॥ श्रुयायकां ॥ श्रुयायवन् ॥ श्रुयायवी ॥ श्रुयायक ॥ श्रुया

[illegible][illegible]

वनीकय ॥ वनीकया ४ ॥ च वनीकया ४ ॥ वनीकयान ॥ च वनीकयान ॥ च वनीकयान ॥ च वनीकयान ॥
चनीकयाव ॥ च वनीकयाव ॥ चनीकयाव ॥ चनीकयाव ॥ चनीकयाव ॥ चनीकयाव ॥ चनीकयाव ॥ चनीकयाव ॥
म ॥ चनीकयाम ॥ चनीकयाम ॥ ॥ यदुद्धि ॥ यदुल्लूकान ४ ॥ यितियनयुर्ववदाब्जकान ४ ॥
चनीकउ ॥ चनीकउ ॥ चनीकउ ॥ चनीकउ ॥ चनीकउ ॥ चनीकउ ॥ चनीकउ ॥ चनीकउ ॥
नान ॥ चनीकनान ॥ चनीकनान ॥ चनीकनान ॥ चनीकनान ॥ चनीकनान ॥ चनीकनान ॥ चनीकनान ॥
चनीकहि ॥ चनीकहि ॥ चनीकहि ॥ चनीकहि ॥ चनीकहि ॥ चनीकहि ॥ चनीकहि ॥ चनीकहि ॥

वर्कन॥वनिकन॥वनीकन॥वर्कयासि॥वनिकयासि॥वनीकयासि॥वर्कनासि॥वनिकनासि॥वनीक
नासि॥वर्कनाव॥वनिकनाव॥वनीकनाव॥वर्कनाम॥वनिकनाम॥वनीकनाम॥ ॥**श्रुत**॥वा
ॐयत्यय॥श्रवर्कना॥श्रवनिकना॥श्रवनीकना॥यक्ष॥**दिवा**हसा॥श्रवर्क॥श्रवनिक॥श्र
वनीक॥श्रवर्कनी॥श्रवनिकनी॥श्रवनीकनी॥**न**उस॥श्रवर्कन॥श्रवनिकन॥श्रवनीकन॥श्र
वर्कनी॥श्रवनिकनी॥श्रवनीकनी॥श्रवर्क॥श्रवनिक॥श्रवनीक॥श्रवर्कनी॥श्रवनिकनी॥श्रव
नीकनी॥श्रवर्कन॥श्रवनिकन॥श्रवर्कन॥श्रवनिकन॥श्रवनीकन॥श्रवर्कनी॥श्रवनिकनी॥श्रव
नीकनी॥श्रवर्कन॥श्रवनिकन॥श्रवर्कन॥श्रवनिकन॥श्रवनीकन॥श्रवर्कनी॥श्रवनिकनी॥श्रव

134

काव२

दावानर्थयद्युक्त्या गवति ॥ अथ नयनं तु निमित्तं ॥ यद्यर्घ्यं ॥ काकः ॥ अथ नयनं वाचनं गतिः ॥ अथ नयनं ॥
यत्तिनायनं मूर्खः ॥ अथ नयनं तु निमित्तं ॥ यद्विस्मया वाचकः ॥ यद्यर्घ्यं ॥ अथ नयनं कृत्वा ॥ अथ नयनं
नयनं ॥ ययसु विहाय ॥ ययायनं ॥ ययस्यनं ॥ नयनं ॥ ययस्यनं ॥ ययस्यनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं
वाचनं विहाय ॥ ययस्यनं ॥ ययस्यनं ॥ ययस्यनं ॥ ययस्यनं ॥ ययस्यनं ॥ ययस्यनं ॥ ययस्यनं ॥ ययस्यनं ॥
लागति ॥ अथ नयनं ॥ कर्मस्य नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥
निमित्तं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥ अथ नयनं ॥

[illegible]

क४॥ जिघृक्षति॥ जिघृक्षन्॥ जिघृक्षतु॥ अजिघृक्षन्॥ नवीयुः सवन्॥ जिघृक्षति॥ यद्विज्ञायार्थं॥ य
ह्नाकिदिनिवर्तिसंयमानं॥ द्विर्त्वं॥ न४॥ य४स॥ यियुक्षति॥ द्वायवातादीनामितिषर्त्वं॥ यदा४क४स॥ यि
युक्षन्॥ यियुक्षतु॥ अयियुक्षन्॥ रुनर्हि सा गत्या॥ सयस्यय४॥ द्विर्त्वं॥ कृत्वाध्वनिति दृष्टव्यं॥ नत्यमपानी
जवक्ष्यांतिजकान४॥ य४स॥ रुनर्त्वातिन्॥ रुनक्षाना४सकानातिरुवति॥ नित्यादयधयावृद्धि४॥ रु
नाध्व॥ नवायदान्॥ जिघ्रांसति॥ जिघ्रांसन्॥ जिघ्रांसतु॥ अजिघ्रांसन्॥ इक्षुक्षकन्॥ सवन्॥ सकान
त्युर्त्वेवतिदिनिवयन॥ असावधिकार्यविधि४॥ किकिबसित्युर्त्विक्लिन्॥ कृत्वाध्व॥ अविहसदाद्य४॥

[illegible][illegible]

73-6

यने ३

निमिदु॥ अगितिदु॥ मानविवाव(धयूजायां च॥ मानसगुणित्तिष्ठित॥ द्विल्लं॥ ऊह्व४॥ य४स॥ मानादीनी
यूर्ध्वत्यवदाश्चरवति॥ नन्धावदाक्रमस॥ मीमांसिनश्चर्न॥ मीमांसन्॥ मीमांसनी॥ अमीमांसन्॥ वधनिचा
यी॥ वधसगुणित्तिष्ठित॥ द्विल्लं॥ य४स॥ आदिजवानामिरुकाव४॥ स्वस्वयामसानांत्तिष्ठितकाव४॥ यूर्व्य
दीर्घ४॥ वीरुत्सन॥ वीरुत्सन्॥ वीरुत्सनी॥ अवीरुत्सन्॥ दानमानजन॥ यूर्व्वन्॥ दीदीसन॥ दीदीसन्॥ दादी
सनी॥ अदीदीसन॥ उत्तययदी॥ गीर्षीसन॥ गीर्षीसन्॥ गीर्षीसनी॥ अगीर्षीसन॥ गुयूनक(ध॥ आय४॥ रुया
दित्य४॥ स्वाथेआययथास्त्वति॥ उयधायालयागुक्ष४॥ गभयायति॥ गभयायन्॥ गभयायतु॥ अगभयायन्॥

[illegible]

नि ॥ कन (व) य ॥ कं ड्यादिथ ॥ कन (व) र्थययययारुवनि ॥ कं डू कभाति कं डूयति ॥ कं डूयन् ॥ कं डूयउ ॥
 अकं डूयन् ॥ उरुययदा ॥ नय ॥ कभाति नियेनेयति ॥ मन ॥ कभाति मनयति ॥ उरुययदार्थ ॥ उरु क (व)
 ययययसुगमं ॥ वषरु वं मेथुनमिच्छति ॥ वषरुयति ॥ दभा रू नमिच्छति ॥ दधियति ॥ असुगमं
 ध ॥ दधयति ॥ शर्द कभाति शयायन ॥ वे रं कभाति वे मायन ॥ कलरुं कभाति कलरायन ॥ सुखाय
 न ॥ इ ॥ खायन ॥ यदार्थ ॥ उरुयादिरुय ॥ उरु क (व) ॥ नाभा क्रियययारुवनि कन (व) र्थ ॥ सचउत्त ॥
 दिवादि लाय ॥ सभाउ विनिभाउवालिवाय ॥ घट् क्रिययुं निमि ॥ अतउयभायावृद्धि ॥ मिती

१४०

कस्यभाउया ॥ धे मितं उरु वीयति तानीं भाउनीं कस्यारुवनि ॥ अय कर्तुनि ॥ गुष्मयाद (घो) ॥ घट कभाति
 निघटयति ॥ घटयन् ॥ घटयउ ॥ अघटयन् ॥ घटयति ॥ घटयान् ॥ घटयिता ॥ घटयिष्यति ॥ अ
 अघटयिष्यन् ॥ अघटयान् ॥ मासार्क कभा तीति मरुयति ॥ उरु कभाति उरुयति ॥ उरुयन् ॥ उरुयउ
 ॥ उरुयन् ॥ यथ विस्मय ॥ यथा कर्तुं ॥ यथा कर्तुं ॥ सका नयभाउवनि ॥ यथयति ॥ यथयन् ॥ यथय
 उ ॥ अयथयन् ॥ दृष्ट कभाति दृष्टयति ॥ दृष्टयन् ॥ दृष्टयउ ॥ अदृष्टयन् ॥ कर्ष कभाति कर्षयति ॥
 मृश कभाति मृशयति ॥ मृशयन् ॥ कनवा ॥ अत्ययवानीवावष्ट कनी कभाति कनयति ॥ अत्यय

यृच्च ॥ लृच्यस्व ॥ आदिस्व न्यजि विवृद्धि ॥ ने आय ॥ यन लृच्यि कान लाय ॥ अय कर्हृत्रि ॥ अश्वाययति
 ॥ अश्वाययन् ॥ अश्वाययत् ॥ अश्वाययत् ॥ यृगगायुः (भव कथ्य ॥ **जील** जाय ॥ जियत्यय ॥ लृडादिवा न
 यृक ॥ कययति ॥ कययन् ॥ कययत् ॥ अकययन् ॥ **ला** विलायन वृद्धि ॥ यलाय ॥ विलाययति ॥ विलायय
 त् ॥ विलाययत् ॥ अयलाययन् ॥ **या** यान ॥ यादयूय कथ्य ॥ याययति ॥ याययन् ॥ याययत् ॥ अयाययत् ॥
 लीदृस्व ॥ आदिस्व न्यजि वृद्धि ॥ संश्चकना क्षमा ॥ सोययति ॥ क्षगनक व (क्ष ॥ क्षययति ॥ क्षगनक व (क्ष
 ॥ क्षययति ॥ क्षययन् ॥ क्षययत् ॥ अक्षययन् ॥ यो शब्द (क्ष नूक व कथ्य ॥ जियत्यय ॥ अय कर्हृत्रि ॥

१४२

याययति ॥ याययन् ॥ याययत् ॥ अयाययन् ॥ **यू** यकीयन ॥ यूनयति ॥ यूनयन् ॥ यूनयत् ॥ अयूनयन् ॥ यय
 ॥ याजितिय लृच्यि विग ॥ वृद्धि ने आय ॥ सययत् ॥ अय कर्हृत्रि ॥ गुक्षयाद (क्ष ॥ याययति ॥ नववक्षयति ॥ जा
 नावंत वाक्य ॥ **का** ववाधन ॥ काययति ॥ काययति ॥ रुक्षयति ॥ रुक्षयति ॥ क्षमयति ॥ क्षमयति ॥ वदि
 लक्षणावव कथ्य ॥ **का** ववाधन ॥ लृच्ययामात्मन ॥ स ॥ दिव्य ॥ कर्हृत्रि यय रुसादि ॥ स ॥ जिद्यत्यय ॥
 वाता (क्षेयक ॥ जिह्वाति सगिय ॥ लृच्यि विग ॥ सिसगासाययामिदृय ॥ न अय ॥ स्ववहनीय वक्षयति ॥
 ॥ किलाय ॥ स ॥ जिह्वाययिष लृच्यि विग ॥ सिस ॥ सययत् ॥ ययवाहि वादय ॥ जिह्वाययिषति ॥ जिह्वाययिषन् ॥

१४३

दीर्घा ३

वयन् ॥ अनेकं दिव्य ॥ अनेकाद्यानाममात्रार्थश्रुत्यथातद्वति ॥ दिवा दोयवगः ॥ सयेवेवादः ॥ आनादिच
वनं ॥ क्रियस्यर्थे ॥ दिवा दावट् ॥ उच्चनमसामथोत्प्राप्तातिगुलानिवर्णन ॥ अचूचनिअदियुङ्गिणिष्ठिन ॥
॥ ४ ॥ किञ्चित्तिवयवगलोयातवति ॥ लघोर्दोघः ॥ अहिसनित्यूषर्वविनालघोरवति ॥ अचूचनम् ॥
अचूचनम् ॥ अचूचनम् ॥ अचूचनम् ॥ अचूचनम् ॥ अचूचनम् ॥ अचूचनम् ॥ अचूचनम् ॥ अचूचनम् ॥ वि-
दल्लान ॥ अवाविदनम् ॥ अवाविनी ॥ अवाविदनम् ॥ इद्रययनम् ॥ अद्रइद्रम् ॥ अहिलघोर्दोषउयभायाः ॥
॥ अहिसनित्यूषर्वविनामृकानर्थकानारावतिलघोयनउयभायाः ॥ अचूचनम् ॥ क्रियस्यर्थः ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

ल्लाह पमकिर

[illegible]

सुवर्णि॥ॐ स्वादि॥२

आरुनखाङ्गं ॥ उदध्वरह्याङ्गं ॥ उच्चननमर्लं ॥ समस्तगाया यूकाच्च ॥ सैवैतन् ॥ धनदवदह ॥ अन्यसैववति
 दवदहं ॥ यवयवित्यङ्का ॥ विक्रीणीन ॥ अक्काणीन ॥ यत्रिक्रीणीन ॥ शयउयालीर ॥ विजयन ॥ अन्यविज
 यति ॥ क्लाष्टदशसिक्कानामान् ॥ जिक्कासुन ॥ धुग्गुयन ॥ मम्मयन ॥ दिट्ठकन ॥ कम्मयमिहान् ॥ अन्यहिंसादवान् ॥
 विवदकवादिन ॥ धदायमिगवग ॥ कम्प्यादविक्रय ॥ कम ॥ सायसुर्जस्ययं दार्धनाववकया ॥ सिकामति ॥ उयं
 मति ॥ उयकामति ॥ कश्चन ॥ यादुयय्ययथावम ॥ विवमति ॥ आनमति ॥ यविवमति ॥ उयंमति ॥ वृत्तवृत्तन ॥
 धुव्वुव्वो ॥ धुव्वुव्वया ॥ स्यद्धयुव्वव ॥ धुव्वुव्वसाम ॥ धुव्वुव्वयादि ॥ स्यसथाव्वुव्वगमारवति ॥ धुव्वुव्वयुक् ॥ विव

१४१

लिषति ॥ वत्सति ॥ वल्लिषति ॥ वल्लयति ॥ वल्लिष्यत ॥ वल्लयत ॥ म्वादर्मम् ॥ म्वादगर्धत्तमागमारति म्वादो
 विषय ॥ म्वादमाद ॥ उदादव ॥ म्वाति ॥ विट्ठला ॥ विट्ठमि ॥ उदिता नम् ॥ उदिताधाना न्मागमारवति ॥
 दूनदिसमृद्धो ॥ ह्वादित्वादय ॥ नयति ॥ नयत् ॥ नयत्तु ॥ अन्वयत् ॥ वदिम्विवादनसुत्था ॥ वयत् ॥ वयत्तु
 ॥ वयत्तु ॥ अन्वयत् ॥ शकिर्गकार्या ॥ शंकन ॥ शमादार्ध ॥ शमादार्धार्धवत्तवा दीविषय ॥ इय ॥ अन्वय
 कदकनिकवित् ॥ शम्पुमयउयनम ॥ शम्पुति ॥ दाम्यति ॥ शम्पुलन ॥ शम्पुति ॥ कम्पुशक ॥ दाम्यति ॥ इयवेक
 ह्यद्वययति ॥ य ॥ यकवयवधाना वाकानस्यलायावति ॥ दिवादिदर्थ ॥ दारवयवधुन ॥ यति ॥ यत् ॥ य

[illegible]

計久

बुद्धिध ॥२

[illegible]

मिश्र

[illegible]

नि॥२

॥३

सू४॥त्या४॥३

[illegible]

वद्गुह्यकार्यावाचि॥विद्वान्वादसन्वत्कथो॥वदनलुनिहिम॥लोनाशध॥सीयागथा४सुकानकका
यालीयारवतिमस्यननामध्वनस्यदानव॥विश्रूद्यर्षे४॥द्यावश्च॥द्यावदात॥द्यावदन॥अनलुत्यम्
॥षडा४क४स४॥कर्त्तृवर्त्तव॥द्यावदन॥द्यावदाथ॥द्यावघरु॥द्यावक्ष॥द्यावघरु॥द्यावक्षरु॥द्यावः
क्षात॥द्यावक्षायार्ता॥द्यावक्षान्न॥द्यावक्षां॥॥द्यावर्षी॥द्यावक्षार्ता॥द्यावक्षन॥द्यावष्ट॥द्यावर्क्ष
र्ता॥द्यावक्षन॥अभयसाऊ४॥उल्लोबाउ॥लङ्गत॥ग्रह्याक॥सियसानर्ष॥साऊ४॥रुज्जिति॥मर्ज्जिति॥
वकासुदीको॥वकाहि॥वकारु॥वकासति॥वकास्यान्॥वकालु॥दियिसत्यन४सिविवा॥दिस्थाईसान्॥अ

याचक्षा ४॥

॥ नूतनका ह्रीं ॥ २

वका॥ अचकास् ४॥ अचकान् ॥ अचकाः ॥ अचकारु ॥ अचकारु ॥ अचकारी ॥ अचकाह ॥ अचकारु ॥ रथायक
थन ॥ आख्याति ॥ आख्यायान् ॥ आख्याउ ॥ आख्यान ॥ मृशम्भुद्धो ॥ मृजवृद्धिः ॥ यमिव ॥ दूगमवाजादः ४ ॥
माहि ॥ मृष्टः ॥ मृजकि ॥ मृङ्गान् ॥ माह्वः ॥ मृष्टान् ॥ मृष्टी ॥ मृजनु ॥ अमाट् ॥ अमात् ॥ अमृष्टी ॥ अमृजन् ॥ नि
र्जापुः ४ ॥ निर्जादानीं पूर्वस्य १० ॥ रावनि ॥ अयिलु किराणि ॥ विजिन ॥ जो वसोयवया ४ ॥ अदः ४ ॥ स्वः ४ ॥ शः
हाद्यादिबद्धिर्वचनं ॥ निवद्भवः ॥ यत्ययत्ययिवाद्यधायुः ॥ वाः ४ ॥ स्वसवया मसानां ॥ निरुक्तिः ॥ निरु
क्तः ॥ द्वित्रिभिः अकल्याण ॥ निरुक्तिरिति ॥ निरुक्तिः ॥ निरुक्ता ॥ आत्मनयदयि ॥ निरुक्तिश्चान् ॥ निरु

नकु॥निव(धनक्॥श्रुतनयदःयि॥श्रुवननिकैः॥श्रुवननिकान॥श्रुवननिकान॥श्रुवननिकान॥श्रुवन
 निजानां॥श्रुवननिक॥ह्रुयादि॥विजिनयथककन(॥ववकि॥वविक॥वविजति॥वविद्यान्॥ववकु
 ॥श्रुववक्॥विश्रुयाफी॥ववकि॥वविष्ट॥वविमति॥वविद्यान्॥ववष्ट॥श्रुववट॥ययालनयनदया
 ॥कादिदिष्ट॥श्रुयार्त्तक॥मयाविष्टयुर्वस्य॥मया॥युर्वस्यह्रुकात्रावति॥यादुयुर्व॥यायियरि॥
 यायियत॥यायियति॥यायिययात्॥यायियतु॥मयादिष्टावाश्रुतागमावति॥यायियवत्॥यायिय
 ती॥द्विभिननउत्तु॥यायियु॥ह्रुयादि॥मगतो॥मयविष्ट॥युर्वस्यविनाशकात्रावति॥कात्राद(॥श्रुव

१३२

॥युव॥२

॥युथ॥१

ति॥श्रुसव(॥श्रुसवयुर्वस्यकात्रावति॥वकव॥ह्रुयर्त्ति॥ह्रुयुत॥ह्रुयुति॥ह्रुयुर्त्ति॥ह्रुयुथ॥ह्रुयु
 र्त्ति॥ह्रुयुम॥ह्रुयुयात्॥ह्रुयुयागां॥ह्रुयुयु॥ह्रुयुतु॥ह्रुयादित्वादितीयातागम॥नियवत्॥नियुतां
 ॥नियुत॥ह्रुयुवर्त्तयित्वात्तु॥सिधि॥नय॥नयुतां॥नयुत॥ह्रुयादि॥ह्रुमगतो॥श्रुयादित्वाद्ययात्
 क॥युव॥नमि॥ह्रुयुयकि॥ह्रुयात्॥नउ॥ह्रुयात्॥ह्रुयां॥युतु॥ह्रुदि॥नितु॥नितु॥श्रुयन्॥ह्रु
 यंक्रुतु॥दिष्ट॥नयता॥विनिष्टु॥कात्रावति॥ह्रुयादित्वाद्ययात्॥मयानामिन॥नितुद्वि॥ह्रुयाय॥ह्रुयुतु॥
 ह्रुयु॥ह्रुयुथ॥ह्रुयुथ॥ह्रुयु॥ह्रुयाय॥ह्रुयुय॥ह्रुयुयि॥ह्रुयुयि॥ह्रुयुयि॥उवादि॥

कनउवाच॥४॥ रुयम॥ कविद्रकानस्यउवाच॥४॥ उषदारु॥ उवाच॥ क्षादुनामैर्यनकत्वा नोनार्थत्वाः
 धैसर्वथा॥ नृनिक्षुभमंगकत्वा दलमौर्यागधोर्यायने॥ रुयार्यागयक्रिया॥ ॥ ॐ ॥
 मृधकृदकृयक्रियानिबूयन॥ कर्त्तकलुत्रि॥ वक्षमाक्ष॥ यत्यया॥ कर्त्तृरूका॥ नवकलुत्रिरवन्नि॥ वका
 नारुवकर्मक्षानि॥ रुयचमयाक॥ हवृलो॥ क्षागलुवृलोयत्ययोरवन्नि॥ वाक्क॥ यकृ ॐ निमिग॥
 कलुत्रिनसमासा प्रयागियदि कसीरू ॐ नि कविन्॥ नामसंज्ञायीत्यादिविरुक्ति॥ सुनान्॥ यदाद॥ रुद्वरु
 वति॥ सना॥ सचञ्चिन्॥ उवाचि लाय॥ यचनागियका॥ यकावो॥ यकाव॥ रुकृशकवत्॥ रुल॥ कना

[illegible]

यन ॥ तथार्थः ॥ इति ॥ इति ॥ रितालायादर्थः ॥ सुरुगति ॥ साटा ॥ वरुयाय ॥ वारा ॥ इत्यवयवाक ॥ य
 वाननाको ॥ यवुं ह्यनया ॥ यथयानन अकं ह्यनया वाद ॥ गोरवत ॥ यथार्थं ह्यन ॥ यवता नित्यक ॥ १॥
 यावयनिवायावक ॥ निवाद्यधयावृद्धि ॥ अर्थदववत् ॥ य० वकार्यावावि ॥ य० तागिया० क ॥ या ०
 यनिवाया० क ॥ लाकलाचुदर्थ ॥ लाकयगानिलाकक ॥ इयावृयावृ ॥ या ॥ यावयनिवायावक ॥
 इक ॥ कव ॥ कवागिकावयनिवाकावक ॥ गावक ॥ मावक ॥ हसुकार्या ॥ वृत्त्यय ॥ एकानवृद्ध
 र्थ ॥ यवाननाको ॥ आवाद ॥ रावनितावयनिवासावक ॥ लूगवृद्धन ॥ लूनामिलावयमिलावक ॥

१३४

मूयवत ॥ यूनानियावयनिवायावक ॥ इत्यादि ॥ क्रियादि ॥ क्रिययं ॥ नाश्रयधयाक् ॥ नाश्रयध
 यादाता ॥ कयत्ययारवति ॥ ककावगुल्यतिमर्थ ॥ क्रियगानिक्रिय ॥ सिदिनविदाव ॥ सिन लीनिसि
 द ॥ द्विदवृद्धीकव ॥ द्विनलीतिद्विद ॥ ह्माववधन ॥ आगानयायाकावलाय ॥ जानागधक ॥ सुदुआ
 नातीनिसू ॥ यादगृह्यधक ॥ मगलुन् ॥ किन ॥ यिय ॥ गिन ॥ यतिनीदिगृहादर्थ ॥ नि ॥ यवादवृद्धाद
 धगृहादवृद्धिनिह्यनयत्ययारवति ॥ यथार्थं ह्यन ॥ एकानावृद्धर्थ ॥ अयत्यय ॥ यदी ॥ वदावदं ॥ यती
 नदी ॥ समसुव ॥ नग ॥ नवायुज नमनक नसुददवसवस्थकायमद्यनर्ह वस्यजावरावस्यवृद्धादि

सि ३

यवादय ॥ इयवययाक ॥ यवतातियय ॥ विदहान ॥ वहाति विद ॥ वदयकार्यावाचि ॥ वदति गोवद ॥
 ॥ दिवृकाजया ॥ दायतातिदव ॥ सिवृसवाया ॥ सवतातिसव ॥ दृषदिसृमृद्धो ॥ नद्विवासिमादिद्विषिमा
 धिवधिसाशिमायाद्यादयानन्यादय ॥ यूयत्यय ॥ यूवावनाको ॥ लुङ्तिगान् ॥ लुङ्तिगार्द्धगान् ॥ मागमा
 रवति ॥ नृयतातिनृन ॥ नमृकाजया ॥ नमनलुङ्तिनमन ॥ नमकमसदृष ॥ नमतातिनामन ॥ क
 मतातिकमन ॥ मृदमृदमृद ॥ जर्तमृदयतातिजनार्दन ॥ मृदयतातिमृदनी ॥ मृदिरुषमृद ॥ इव
 ण ॥ साधन ॥ भरुन ॥ बावन ॥ तयन ॥ मदन ॥ जल्यन ॥ दर्य ॥ नृगद ॥ नार्थ ॥ नृ

१३३

१ गृहादार्द्धतातिति ॥ दृष्टादृष्ट ॥ ३

धतायूयत्ययारवति ॥ यूवावनाको ॥ नोतिनावयतिनाव ॥ गृहादार्द्धनियत्ययारवति ॥ गृहादार्द्धना
 मिटादार्द्धरवत्ययनाकार्या ॥ गृकातातिगृहा ॥ अर्णायक ॥ निष्ठता ॥ निष्ठता ॥ निष्ठया ॥ य ऊनातियाजा ॥ नृ
 गदविद्वृष्ट ॥ विनावा ॥ यायाय ॥ याया ॥ चनगतिरुद्ध ॥ विवनेतातिविवा ॥ दृष्टादृष्टा ॥ इयत्ययाः
 रवति ॥ गकान ॥ गित्कार्यार्थ ॥ गित्तिवृद्ध ॥ गित्तिवृद्धययववृद्धिवादिमृयत्कार्यमृकं गृहवति ॥ उत्प
 ष्ठादृष्ट ॥ उत्पन्धतातिउत्पन्ध ॥ धट्यान ॥ धयतातिधय ॥ ध्यागद्विषीयागया ॥ धमादृष्ट ॥ उद्धमनी
 तिउत्पन्ध ॥ धट्यान ॥ धयतातिधय ॥ ध्यागद्विषीयागया ॥ धमादृष्ट ॥ उद्धमनीतिउद्धम ॥ याया ॥

उत्थिवः॥ ध्यागं ध्यायादान॥ उक्लिद्युगाति॥ उक्लिद्युः॥ गर्माह्वनं ह्ययथायालायः॥ रुनाद्य॥ गर्भदंता गमद्यः॥
कनद्यः॥ मूवादर्मम्॥ विद्वलार॥ गर्भविद्युगाति॥ गमविद्युः॥ कलादंष्टुः॥ कलादंष्टुगमविद्युः॥ कलादंष्टुगमविद्युः॥
वाद्यद्युः॥ कल दायो॥ कलतामिद्वालः॥ नयसंताय॥ नयतामितायः॥ यथिगमि॥ यथागमित्योथः॥ अष्टव
द्यनकनं नूमागमः॥ यथताउन॥ यायः॥ उक्लिद्युः॥ कार्यः॥ ध्यागः॥ कर्मसिद्धयुक्तमानः॥ अष्टवद्युः॥
गि॥ ध्यागः॥ मिनंतिवृद्धिः॥ क्लीकनामिर्कृत्कानः॥ गीर्थकनामिर्गुंथकानः॥ ध्यागः॥ उदायदा
न॥ आताउः॥ आनाकाद्यागः॥ कर्मभूययदतिउयययारवमि॥ उक्लिद्युः॥ गमदंतामि॥ गमदः॥ धनीदः

दाता निधनदः॥ नात्रिव॥ नाममायययूयमानयिउयययारावनि॥ कमलंददातातिकमलंदः॥ द्वात्यैयिवनानि
 द्वियः॥ ऊनियाइरावि॥ द्वात्यैऊभाययेनेना॥ त्यांजायनद्विजः॥ गृहनिष्ठनीमिगृहसू॥ इगती॥ शुचैडवतानि
 धूदः॥ शुवधूद॥ शुवधूदः॥ रावतिउयन॥ उनस॥ सलायामूमा॥ उनस॥ सकानयलायारावतिवामूमाग
 मः॥ गच्छगती॥ उनसागच्छगतीउनग॥ उनस॥ विहायसाविहव॥ विहायसगदस्यविहसूदः॥ रावतिव
 कावाद्यामूमागमः॥ विहायसिगच्छगतीविहग॥ गनसुनंवः॥ ननसावगनच्छगतीउनग॥ उनस॥
 उऊस॥ उऊग॥ सुवग॥ सुवस॥ अटो॥ भागीनामिकार्यस्यकानटकोभोयययोरावतः॥ टकान

၇၃၇

श्रुतीरनिष्ठा उदयविरहानि ३

वैष्णव कर्माणि विष्णु कर्मिणां वृत्तिः ॥ हविः ॥ अथ द्यावापृथिवी ॥ दवानां प्राप्तिः ॥ दवायिः ॥ वातायिः ॥ स्वित्तिदस्य ॥ स्वि
तियस्य ययनयूष्यदस्य ममागमो रवन्ति ॥ कर्मकर्माणि कर्मकवः ॥ प्रियंवदनानि प्रियंवदः ॥ आत्माने वि
रुहानि उदनीराविः ॥ कूर्किराविः ॥ नजार्खन ॥ नजकीयनञ्छा दानीस्वः प्रत्यया रवन्ति ॥ स्वका नाम मागर्म
धेः ॥ गङ्गा नद्य उर्व्वकार्यार्थः ॥ चूनादर्जिः ॥ जनं नजयतीति जनमजय ॥ जिजय ॥ धनी जयतीति धनी जय ॥
यत्ति तमात्मानं सच नयत्ति नमच ॥ दिवादर्यः ॥ खट्वकवः ॥ कवः ॥ थस्थूट्टयस्यया रवन्ति ॥ स्वका नाम
मागमार्थः ॥ अनग्रनग्रः कियनरनननिनग्रं कवर्लं द्यूर्ग ॥ असूलः लक्ष्मिः अनन मिहूलं कवर्लंद

यूथानलाको ॥ १

या

१३६

वनिय २

२०१

यादार्घ्यः॥ नाम्ना नालायश्च॥ वाङ्मनः दवत्तु क्रिया॥ कर्म॥ ह्ययागमदीनामीरुवमिकितियन॥ नक्रियि॥
 सुख्यावर्गति सुखावा॥ ह्यविददातीति ह्यविदशी॥ क्वविदयथायिदश्चन॥ सुखकवातागिसु कर्म॥ नगति
 ॐत्वा॥ ॐ॥ धामातिस्वो ॐत्वादि॥ क्रिय॥ सर्वथाउत्थः॥ क्रिययथयावति॥ क्वस्ययितिकृतिउक्॥ यिति
 कृतियनकस्य उगममावति॥ क्रियः॥ सर्वयदा नालायः॥ कर्मकवातागिकर्मकृत॥ अग्निविनामा
 ति अग्निवित्॥ दवान्मोतातिदवमुत्॥ सामयिवनाति सामयाः॥ दार्घ्यत्वात्तुक्॥ सर्वयश्चनति सर्वद
 क्॥ दिग्मिति कृत्वा॥ विजसवाया॥ सुखर्वः॥ यद्वददार्घ्यनाववकथ्य॥ सुधीः॥ यद्वह्नीसाया॥ क्रिय॥

१३९

दृष्टमनाजादानीयः॥ वाउः॥ नर्त्ययुक्तीति नत्वयात्॥ वचयविरागः॥ वचनवाक्॥ नरुवचन॥ क्रि
 यियनक्षयसुर्ग्यदार्घ्यताववकथा॥ नदाधः॥ उयसमायनश्चन ॐतिउयानत्॥ वकावात्॥ वृषः॥ कि
 वधन॥ यावत्॥ ममाविन॥ कटविकार्यति कटविकाः॥ मग ॐत्वा॥ सीयागकथलायः॥ आर्घ्यदसु ॐति
 दार्घ्यः॥ सुयथयः॥ अविनाया॥ आयन॥ क्रियिसंयमवर्ण॥ सुख्वायनागिसुधा॥ द ॐत्वात्तुक्॥ को
 यमानर्थ॥ द ॐत्वात्तुक्॥ सुकोयथयाववः॥ उयमानकार्यवकावात्क्रिय॥ अस्वार्धः॥ नगवस्वार्ध
 ॥ यद्वत्वात्तुक्॥ अय ॐत्वात्तुक्॥ अयद्वः॥ अयद्वक्॥ दयथय॥ अयद्वः॥

[illegible]

॥३॥

भागानां नानाकालां लक्ष्मीं चक्रियते ॥ ॐ ह्यनय ह्ययारवन्ति ॥ वृषमवधति ॥ वृषद्वान् ॐ निवृत्त ॥ यज
 नातिथि ॥ यज्ज्यामियसव ॥ वनिय ४ ॥ पित्राहुक ॥ कचाहुक्षराव ४ ॥ सूनवान् ॐ निवृत्त ॥ सनसिउ
 न ॥ सनसिउ ॥ ॐ त्वाहिलाय ४ ॥ सर्वमगमदिनिसर्वग ४ ॥ सामग्र्यायदिनिसामग ४ ॥ सामग्र्यायदिनिसामग
 ४ ॥ ककवय ॥ भागानां नानाकालां लक्ष्मीं चक्रियते ४ ॥ रावकार्यया ४ ॥ क ४ ॥ क ४ ॥ क ४ ॥ क ४ ॥ क ४ ॥
 क ४ ॥ यमियधार्थ ४ ॥ कर्तृनिकवउ ४ ॥ उका नानाविधानार्थ ४ ॥ कर्तृकनवान ॥ आगनादवदल ४ ॥ आग
 नदवदलन ॥ किर्तदवदलन ॥ रावनयूसकार्त्त ॥ गद्यार्थदकर्मकार्त्त ४ ॥ गद्यार्थदकर्म

काचधनाः कलनिकयस्यारवति ॥ अटगणे ॥ आटनं नुनिनूटिनः ॥ अटनयाकः ॥ दनं ॥ धना
 ॥ कलनस्यवसादनितागमात्तवति ॥ स्मिन् ॥ समदमूयनम ॥ धर्मादीर्घः ॥ धनः ॥ दानः ॥ कम्
 काको ॥ कान्ते ॥ कांवां सट् ॥ सट् कयस्ययावाकिरुवति ॥ कित्वादानयुध ॥ यथातिनः ॥ ययति
 नः ॥ उदिनः ॥ वदिनः ॥ वृदिनः ॥ वाविनः ॥ मूविनः ॥ माविनः ॥ नूनाग्रहामितिदीर्घः ॥ ग्रहा
 नः ॥ गृहानः ॥ नादिनः ॥ नूदिनः ॥ विदिनः ॥ वंदिनः ॥ वृदिनः ॥ किनः ॥ उवर्धुकादवर्धुका
 चविनध्वधनाः यनस्यकिनः ययस्यवसादनितागमात्तवति ॥ वृत्तः ॥ स्तनः ॥ जिनः ॥ आदीदि

अदितशा३

आदिनशा३

[illegible]

कर्मणि॥ न॥ न॥ इह न स्यात् कान्त्यनवर्तवति॥ कृत्वा हिंसायां विद्वयनव॥ अतः पुन॥ सकावस्य पुनः
 सवति॥ स्वाविद्वस्यति दाय॥ विकीर्ण॥ कृष्णमयवयादानो॥ अ॥ अ॥ मा॥ पु॥ वा॥ न॥ न॥ ला॥ यो॥ दि॥ न॥
 ॥ ला॥ द॥ वा॥ दि॥ न॥ ध॥ यो॥ ना॥ न॥ व॥ ति॥ ॥ ल॥ ग॥ क॥ द॥ न॥ ॥ ल॥ न॥ ॥ कि॥ क॥ य॥ ॥ क॥ द॥ यो॥ नि॥ द्या॥ यो॥ वा॥ ॥ कि॥ स॥ ॥ की॥ स॥ ॥
 (हो॥ मे॥ रु॥ म॥ क॥ य॥ ॥ स॥ ध॥ वा॥ क्ष॥ मा॥ ॥ अ॥ न॥ ॥ ॥ अ॥ दा॥ क॥ यो॥ ॥ ग॥ ॥ ह॥ मा॥ नि॥ ॥ उ॥ न॥ का॥ न॥ ॥ ल॥ न॥ ॥ ॥ अ॥ या॥ यो॥ वृ॥ द्यो॥ ॥
 या॥ य॥ ॥ यो॥ ॥ या॥ यो॥ क्ष॥ मा॥ ॥ यो॥ ॥ ल॥ य॥ य॥ मा॥ द॥ ॥ अ॥ न॥ व॥ ति॥ ॥ यो॥ न॥ ॥ ॥ य॥ द॥ य॥ स॥ व॥ ॥ अ॥ द॥ ॥ य॥ ॥ स॥ ॥ ॥ ल॥ न॥ ॥ दा॥ दि॥
 हि॥ ॥ दा॥ ॥ ल॥ य॥ स॥ द॥ रु॥ व॥ ति॥ ॥ न॥ का॥ नो॥ दो॥ कि॥ नि॥ य॥ न॥ ॥ अ॥ द॥ यि॥ द॥ रु॥ ॥ अ॥ दा॥ न॥ ॥ ल॥ ति॥ द॥ रु॥ वा॥ न॥ ॥ दू॥ अ॥ उ॥ य॥ ना॥

स्नान ॥ ३

५२

य॥ अ॥ दा॥ वि॥ ल॥ ति॥ दू॥ न॥ ॥ ल॥ वा॥ लो॥ वा॥ ॥ ल॥ वा॥ इ॥ रु॥ न॥ स॥ दा॥ ल॥ य॥ य॥ ना॥ वा॥ व॥ रे॥ ति॥ ॥ न॥ का॥ नो॥ दो॥ कि॥ नि॥ य॥ न॥ ॥ य॥ रु॥
 ॥ य॥ द॥ रु॥ ॥ द॥ य॥ ॥ अ॥ ध॥ न॥ ॥ अ॥ व॥ रु॥ ॥ अ॥ व॥ द॥ रु॥ ॥ य॥ क॥ द॥ व॥ रु॥ जा॥ यो॥ ॥ य॥ जा॥ य॥ व॥ वा॥ क्ष॥ मि॥ ति॥ सी॥ य॥ सा॥ न॥ र्ण॥ ॥
 कृ॥ ण॥ य॥ ना॥ जा॥ द॥ य॥ ॥ ल॥ य॥ ॥ ल॥ य॥ वा॥ न॥ द॥ व॥ य॥ वा॥ ज॥ सी॥ ना॥ न॥ ॥ उ॥ र्क॥ वा॥ र्ज॥ ॥ व॥ द॥ या॥ य॥ ॥ सी॥ य॥ सा॥ न॥ र्ण॥ ॥ दा॥
 रु॥ ल॥ ति॥ रु॥ ल॥ ति॥ रु॥ व॥ क॥ न॥ ॥ न॥ ॥ अ॥ द॥ ॥ ॥ दू॥ र्ण॥ ॥ दि॥ दा॥ ला॥ या॥ दा॥ य॥ ॥ उ॥ दा॥ नू॥ दू॥ ला॥ य॥ ॥ अ॥ दा॥ न॥ अ॥ दा॥ न॥
 ॥ सी॥ य॥ सा॥ न॥ र्ण॥ दा॥ य॥ ॥ क॥ य॥ य॥ य॥ ॥ अ॥ दा॥ न॥ ॥ य॥ अ॥ सी॥ व॥ न॥ ॥ सी॥ य॥ सा॥ न॥ र्ण॥ ॥ सी॥ वा॥ न॥ ॥ व॥ द॥ य॥ का॥ यो॥ वा॥ वि॥
 उ॥ दि॥ र्ण॥ ॥ व॥ द॥ य॥ नि॥ रा॥ म॥ ॥ वा॥ ॥ अ॥ ॥ उ॥ र्क॥ ॥ व॥ स॥ नि॥ वा॥ स॥ ॥ उ॥ मि॥ र्ण॥ ॥ कृ॥ न॥ ल॥ ति॥ ॥ कृ॥ न॥ ॥ कृ॥ न॥ व॥ रु॥ दा॥ यो॥ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

माद (भा) रवति ॥ १४ ॥ कसूको नो धवत् ॥ १५ ॥ कसूको नो यत्यो रवतां ता न काल ॥ मो व धय न ॥
निव रवत् ॥ १६ ॥ धवा दिव र्हा वा दिव चर्न ॥ न उद्या दि ॥ यथा धय य न सो य दत्ता कसू ॥ यथा आले न य
दत्ता कसू ॥ क काना गु धय निष कथ ॥ सिदि न विदा न ॥ उका वा न वि धाना र्थ ॥ विना नूम् ॥ स
या ग न स्य लाय ॥ रु सय स लय ॥ वि सिद्धान् ॥ विव द ॥ नि विद्धान् ॥ इ क न क न ॥ कसू य त्य ॥
द्वि त्व ॥ न ॥ कान ॥ क र्हा ॥ वृ ता नूम् ॥ रु सय स लय ॥ स या ग न स्य लाय ॥ च क वा न ॥ च
का न ॥ कथ ॥ कान य त्य ॥ उद्या न ॥ नि ग मां स न उ द्धि वा न ॥ वि क र्हा न ग म द ॥ वि दान्

५११

[illegible][illegible]

[illegible]

ल० अ० ४॥ कमन० ल० क० ४॥ क० ४॥ द० ४॥ घ० अ० द० ॥ घ० स० द० अ० य० य० य० य० य० य० ॥ क० क० अ० य० य० य० य० य० य० ॥
 य० य० य० य० य० य० ॥ घ० स० न० ल० घ० स० न० ॥ अ० य० ल० अ० य० न० ॥ ल० म० न० ॥ स० म० न० ल० स० म० ल० ॥ द्वि० दि० सि० दि० वि० दी०
 क० न० ॥ द्वि० न० सि० न० ॥ वि० न० ॥ सा० सा० द० न० ॥ सा० सा० द० न० ॥ य० य० य० य० य० य० ॥ घ० का० य० य० य० य० य० य० ॥ सा० स० द०
 य० ॥ सा० स० न० ल० सा० स० न० ॥ र० र० अ० म० द० न० ॥ व० ज० ॥ क० ग० धि० नि० ॥ व० ज० क० ग० धि० नि० क० क० न० ग० क० न० र० व० न० ॥ र० ज०
 न० ल० र० य० ल० ॥ य० ज० द० व० य० ज० र० ग० नि० क० न० द० न० य० ॥ अ० य० र्व० स० य० र० स० द० र्य० द० द्वि० ॥ य० द० उ० क० ॥ य० द० न० द० न० न०
 क० य० य० य० य० य० य० ॥ य० द० ल० क० ॥ न० त० स० नि० य० ॥ ग० य० द० ल० र० व० नि० ॥ य० र्व० स० य० र० स० द० र्य० द० द्वि० ॥ य० य० द० क० र्व० नि० द्वि० ॥ अ०

न॥ पूर्वसर्वविनाशकावय आकाशरवति ॥ यायद्वक॥ नृक्षदन्तम् ॥ दंशनशील॥ जमजयानुगिति
 गम॥ पूर्वस्य ॥ दंदनृक॥ जयनशील॥ र्जुयूक॥ वदनशील॥ वार्धक॥ समस्तमोहतां कियकि
 यां कउ वाविनी ॥ अवगाधारययीव॥ कमलकललुध्वन॥ सुवासूननवाकान् मध्यामीनयत्कजभा ॥
 लुगिधायनमहसयनिवाजकानुल्लग्नसूयावायेविनविनासानस्यतायकि यासमाकाशे ॥ ॥
 समस्तगले ॥ यावदक्षकसू ॥ वृहस्यगिवाल संपूर्णमिति लिखितकश्चाचार्यनावायलन सुतमसु ॥ ॥

१३१

अनातपि ॥ २

आगतनशील॥ आगनृक॥ आहत॥ किंदिधरुत ॥ आकाशकादकाशकादना॥ शीलथेदुत
 कालकियुत्यारवति ॥ क्षणाद्यदि चेतनं ॥ नाम॥ सामंययिर्हृददिर्गश्च किं नहुतं ॥ यायका
 चविनाशकिं नहुतं ॥ याजकाचविनाशकिं हेयोधुत्रीकमहादिजान् ॥ सदानादय॥ सस्मिर्वे
 कालउल्लादय॥ यत्यारवति ॥ शृङ्गकनल ॥ एकालावृद्धय॥ कवागीतिकात्र॥ वाग
 निवधनथा॥ वागीतिवायु॥ आतायूक ॥ श्मिर्कयुद्धय ॥ तय॥ सोकार्यकलिम॥ हिदः
 लिमकाश्च ॥ वयेतिमयाव ॥ यचनिसा आरु॥ यदश्रुगिह्यानि॥ यातीतियाति॥ वदु

गहदीको ॥ गजदन्त ॥ गज ॥ गुमिधन ॥ गोतीतियुवा ॥ नूधाता ॥ वचाकर्त्रे ॥ व
 वादडातात्रसुप्रहवति ॥ वच ॥ अहमहयुजायी ॥ अह ॥ मह ॥ तय ॥ सोकार्यकालम ॥
 ॥ तिदतिमंकार्य ॥ यवतिमंयारु ॥ यवनिमादक ॥ यवश्रुगित्याति ॥ यातातियाति ॥ वरु
 तातिवादि ॥ अगतातिअग्नि ॥ अडियत्रमेधय ॥ वदिश्राद्धादन ॥ अडिचदिशकिबूदिथ्यात्र ॥
 ॥ अदित ॥ तिनूमागम ॥ अदतीति ॥ अद ॥ अकत ॥ तिअक ॥ अदतीतिअद ॥ अय्यताति
 ययी ॥ रुततातिरुत ॥ मूलयतातिमूल ॥ उतादययनिनिता ॥ यथागमनसुखयथाकथा ॥

उत्तुर्दध्यायौरुविद्यति ॥ धातारुविद्यतिकालउत्तुययथाहविनी ॥ वति ॥ तदध्यायौक्रियायीय
यूक्तमानायौ ॥ उत्तुयातनात्यवहालया ॥ हाकुं कुं वुजति ॥ यविदुसा ॥ हाउमीरुत ॥ धर्गता
व ॥ धातारुवधेद्येययथाहवति ॥ आहकलोघिति ॥ चआककायगकायोतवत ॥ धितियन ॥
इयवययययत ॥ तियाक ॥ गंकायावद्यथ ॥ त्यजत ॥ तियाग ॥ चत ॥ तियाग ॥ त्यजहानो ॥ ऊही ॥
नाययाग ॥ अनू ॥ कत ॥ अनूयाग ॥ रुजसवायी ॥ विरुजनविताग ॥ ॥ धमतो ॥ अयन ॥ अय
॥ आतायक ॥ संहायामिकरुजिव ॥ कलविदजितकानकलावकभलिद्येययथाहवतिसंहा

यौविषय ॥ यतिवृत्तिकार्यमाक्रियतः ॥ त्रियुक्ताहानः ॥ उच्यतः ॥ स्मिन्वासः ॥ दीयतः ॥ निदायः ॥
 विक्रियतः ॥ निविकानः ॥ यीयतः ॥ त्रियायः ॥ साधनाधनमथायः ॥ जनाकानां स्वनाकानां वचनं ॥
 वक्तव्यः ॥ मज्जवृद्धिर्द्वितीया ॥ अयमयतः ॥ अतनति ॥ अयाता ॥ अर्जः ॥ लिखतः ॥ अस्मिन्निति ॥ खः ॥ अ
 वनस्य ॥ स्मिन्नित्याचानः ॥ अर्जः ॥ अर्थयतः ॥ अधीयतः ॥ अर्थायः ॥ उत्तरीयतः ॥ उत्तरयः ॥ कृदन्तः ॥
 कृदन्तः ॥ नृविक्रयः ॥ नियतः ॥ विक्रियतः ॥ कामादिहिति ॥ त्रितनः ॥ यनिरुतः ॥ मदी ॥ मनादीना
 मः ॥ यथारुदतिरादादौ ॥ मदीरुतः ॥ यमाद्यतः ॥ तनति ॥ यमदः ॥ अन्त्याद्यति ॥ यमदा ॥ य

[illegible]

दवध्यासयथू॥०॥यादि॥द्वितीयमकं तत्कृतं॥द्वितीयाधातायुिमक्युह्यथातवतिगनधात्वर्थेवाश
सतिक्रियायानिवृत्तः॥इच्छन्कव(ष)॥रुतिभाद्यट॥इच्छन्कात्रयामयथा॥सीरुत्र(ष)ननिः
वेष्टंसहप्रिसंयद्धं॥इत्यवस्थाक॥याकननिर्वृत्तः॥वकिर्मडादन॥नट्का॥धातान्नक्षीत्यतोयः
त्यथोरुवताहावादी॥यतिययत्न॥यतनीयत्न॥यच्छृङ्(घ्न)॥युष्मादृष्टकोत्राद(घ्न)रुवति॥नय
त्रहावादी॥यच्छृङ्(घ्न)तिष्ठ॥विच्छृङ्(घ्न)तिविष्ट॥विच्छृङ्(घ्न)गती॥अग्रयुष्मादाव॥स्मा॥श्चुतिश्च
॥०॥कृतं ननतियरू॥द्रुगती॥इवतिडोष॥टीत्वादौयूडा।णी॥क्रियतकर्ष॥टित्वाक्कर्षु॥

नाहाधीयतं०तिनाऊधानी॥स्वयनस्वयश॥धातानयित्याकानलायश॥कियत्ययश॥विधीयतं०
 तिविधिं॥संधीयतं०तिसन्धिं॥धीश्रयतं०तिश्रुधि॥श्रुतानिधियतं०तिश्रुतानिधि॥साव
 यूटं॥धातारोवयूट्यत्यथारवति॥यूवानुनाको॥कियतं०तिकनर्षं॥जायतं०तिहनर्षं॥दू
 यतं०तिहनर्षं॥दूयतं०तिहृषर्षं॥दायतं०तिदानीं॥इयतं०तिदूषर्षं॥आदिगदात
 ॥सर्तं॥मानं॥यानं॥साधनाधनार्थं॥साधनआधनना॥थयूट्यत्यथारवति॥ययतं०नैमेने
 तियचनानि॥ययतं०स्थीयचनीकृती॥चकावादाधनचति॥संपदीयतं०संपुदानीं॥सर्मा

102

[illegible]

[illegible]

लूयदेवचर्म ४ कृशं ४

८५३

[illegible]

[illegible]

५१ ५३

[illegible]

॥ जायत ॐ ति जाति ॥ जागृ निडा दय ॥ जाग न ॥ जाग हि ॥ कर्त्तृ नि किं ध्य सं ह्यायी ॥ कर्त्तृ नि का
थ ॥ ध्याना ॥ क्रिय यथा रव ति सं ह्यायी ॥ इ क्ते क न ॥ य द्द च ॥ य कू नू त ॐ ति य कृ ति ॥ ध्य
ध न ल या ल या ॥ वि द्द च ॥ वि धा न ध वि धृ ति ॥ ॐ क ति यो ति धा नु नि द्द ॥ धा ना नि क ति ॥
धो य ल यो र व त ॥ य चि ॥ य च ति ॥ य जि ॥ य ज ति ॥ यि वि ॥ यि व ति ॥ य ठि ॥ य ठ ति
॥ ग मि ॥ न ज ति ॥ क्ता स द् ॥ व र्त्ति ता ॥ व र्त्ति ता ॥ अ र्त्त स्व ल ॥ य ति ग च्छ ति ॥ मि हि दा
म द् ॥ मि ता धा ना ॥ हि दा द ॥ मि या म द् ॥ य ल या र व ति ॥ य या ॥ अ क्ता न य ल या ल य धा त्ता द्

ॐ नमः ॥ ३

अश्वत्थामिथाय ॥ मरुतश्च ॥ मृदा ॥ त्रिदा ॥ द्विदा ॥ जम्बूद्वीपान्वधप्रहिताय ह्यथा
 वक्रयः ॥ हयवधाहोती ॥ जम्बा ॥ युवार्हसात् ॥ युवर्मगाधताहसात्तदयह्यथाहवनि ॥ ॐ
 हवसाय ॥ ॐ हा ॥ उहवितर्क ॥ ॐ रुद्रवितर्क ॥ ॐ रुद्रवितर्क ॥ ॐ रुद्रवितर्क ॥ ॐ रुद्रवितर्क ॥
 जम्बावक्रययथाहवनि ॥ चक्रय ॥ यथाय ॥ अश्वत्थामिथाय ॥ अश्वत्थामिथाय ॥ अश्वत्थामिथाय ॥
 कक्षामिथाय ॥ अश्वत्थामिथाय ॥ अश्वत्थामिथाय ॥ अश्वत्थामिथाय ॥ अश्वत्थामिथाय ॥
 ता ॥ वदित्वा ॥ अलंखलुः ॥ अलंखलुः ॥ अलंखलुः ॥ अलंखलुः ॥ अलंखलुः ॥

गोधागा ४ ह्वा वट्टु वति ॥ ॐ वू ॐ द्यायी ॥ ॐ द्या ॥ उमिता ॥ उद्व ॥ उमिता ॥ दद्व ॥ समास ३
 कय ॥ समास सति श्वकाल कय यथया वति तत्कल कक्षतो यय कमासेन ॥ कसात क
 य ॥ यित्वा लुक ॥ संरुह्य कनाति ॥ यक्षय गद्वति ॥ समुद्र कत्व गद्व ॥ अनर्ग यद्व ॐ थ ३
 के ॥ ना ॐ ह्य को ना दग ४ ॥ रुत्वा के यि के के यु ४ ॥ मूकत्वा य विषय उं क ॥ तत्काल यि
 दध्न ॥ नर्ग संमाल्य हसति ॥ माल मालन ॥ मुख्य दाय त्वयति ॥ योत ४ युन्य ६ मदि
 ध ॥ समान कल क वू यय कमान यद्व ले योत ४ युन्य ६ यक्ष तो न मयु यथया वति ॥ न

स्य यदस्य दिव्यं तर्ज ॥ श्रुतायुक् ॥ यायं यायं गच्छति ॥ तां ऊं तां ऊं वृजति ॥ तादिषु स्वाध्यास
 मृच्छकै ॥ कथं कार्ज ॥ ॐ धुं कार्ज ॥ ॐ धुं कार्ज ॥ शुवा हा व केयू ॥ वृक्ष दयं गत ॥ तमन
 स्य यदस्य उयधायुष ॥ लक्ष्मीमुच्य ॥ लक्ष्मीदत्ता कृतया ॥ लक्ष्मी ॥ लक्ष्मीयत ॥ लक्ष्मी
 ॥ श्री लक्ष्मी दत्ता तथा ॥ टिलाय ॥ संयागमकल्याणाय ॥ टिलादीयू ॥ श्रीगवर्धनकोन ॥ श्रुता न
 ॥ ककार्ज ॥ नादां रुद्राय रुद्र ॥ नकार्ज ॥ नादिनामाति ॥ श्रुत्वा तत्ता सयावध ॥ नत्ता निवम
 धीयाति संयमं निवमं निमं ॥ लाकां रुद्राय सिद्धिर्यथा मात्रयित नद ॥ सवृयां नां रुद्राय

दिनेश्वरः ॥ इत्युक्तं साधकैः ॥ समस्तत्राशुसौम्यं ॥ यद्विद्यां वदुमादिनां ॥ अथवा द्वाहयशीत ॥
 कसलाकनः ॥ अथ ॥ सुनासुनतनाकान् ॥ मध्यायातयकैः ॥ ॥ ॥ तिथीयवसदः ॥
 इत्यविवाजकातूरुतिसुत्रयार्थविनवितासानसमीयक्रियासमाका ॥ ॥ ॥

इत्युक्तं साधकैः

१०१

१ अहमनूहनिः ॥ स्वनूयायार्थः ॥ यद्विद्यां कर्त्तुं ॥ कनियत्यर्थः ॥ थकहमीयक्रिया
 सानसनी सनसत्याश कायासासानसनी ॥ तीसानसनी सनसनिमवधिनी
 मित्यर्थः ॥ यूनः ॥ कर्त्तुं हनीयक्रिया मृदू सनली ॥ वक्तानादिनमित्यर्थयूनकथं
 हनीयक्रिया नामिविहनी ॥ नविहनी ॥ अमिविहनी ॥
 यदावक थकिंकलायनमात्मानं ॥ यनम्य यनमम्यासी ॥ आत्मावतियनमात्मानं ॥ ॥ ॥
 नमात्मानं ॥ यनमात्मानं ॥ एवनमस्कानकिमिनि ॥ विद्युनिदानकावदवस्तनि ॥ सर्वोयदु
 वनिवानक यनमात्मानिनमस्कान ॥ कृतानकनयावका ॥

(नमः) कर्मनामस्य किमर्थं न हि युयाज नमन् दिभ्यः मन्त्रानामप्युवर्तनं बालधा वृद्धिः
 वयं बालानीधाः बालधाः बालधीया वृद्धिः बालधा वृद्धिः बालधी वृद्धिः सिद्धिः वा
 लधा वृद्धिः सिद्धिः नमो बालधा वृद्धिः सिद्धयः ॥ ॥ यद्यन्ये वानि (धः) नमः समूहस्य
 लब्ध्वा दयायि दवाः अष्टायेया कनकावाग्मयानी नययुः नययुः नमः युक्तियी नमः
 संपूर्णस्य कस्तूरस्य अरुमर्मा नीलाननामनस्यः कर्तव्यं कर्मः रत्नं अविदुः न रत्नं ॥
 वृद्धिः वृद्धिः कान्तं कृष्णं यिन लिङ्गं कटायनः ॥ यालिच्यमनजं वृद्धिः अयस्य वृद्धिः ॥ ॥

नमो बालानीधाः
 वृद्धिः

लृट्	लिट्	लोट्	लृट्	लृट्	लृट्	लृट्	लृट्	लृट्
एवति	एवत	एवतु	अएवत	एवत	एवत	एवतां	एवत	चैत्रम एव
एवतः	एवतां	एवतादा	अएवतां	एवतां	एवयोतां	एवतां	एवतां	वैशाखमहि
एवति	एवयुः	एवता	अएवत	एवत	एवयत	एवतां	एवत	ज्येष्ठमहि
एवति	एवः	एवतु	अएवतः	एवत	एवथाः	एवत	एवथाः	असारमहि
एवथः	एवत	एवतादा	अएवत	एवतां	एवथां	एवतां	एवथां	ता
एवथ	एवत	एवत	अएवत	एवत	एवथ	एवत	एवथ	दीप्ता
एवामि	एवयं	एवत	अएवाम	एवत	एवय	एवत	एवय	
एवामः	एवव	एवति	अएवाम	एवत	एववहि	एवत	एववहि	
एवामः	एवम	एवव	अएवाम	एवत	एवमहि	एवत	एवमहि	
		एवाम	अएवाम					



The image shows a close-up of a manuscript page, likely from the Voynich manuscript. The page is made of aged, yellowed parchment. It features three lines of text, each written in a dark ink. The text is arranged in a single column, with a vertical line running down the center of the page. Each line begins with a large, stylized initial letter, followed by several smaller, circular or dot-like characters. The characters are arranged in a way that suggests a specific sequence or pattern, possibly representing a code or a cipher. The overall appearance is that of an ancient, mysterious document.

अनंत	अनंत	अनंत
अनंत	अनंत	अनंत
अनंत	अनंत	अनंत

ॐ
सुहाय्य सुहाय्य सुहाय्य
सुहाय्य सुहाय्य सुहाय्य

ॐ सातु ॐ सातु ॐ सातु
ॐ सातु ॐ सातु ॐ सातु

ब्रह्म ब्रह्मा ४ ब्रह्मन् ४
ब्रह्मन् ४ ब्रह्मा ४ ब्रह्मन् ४
ब्रह्मन् ४ ब्रह्मा ४ ब्रह्मन् ४

शुभिन	शूणी	शुभिन
प्रनया॥४	प्रनया॥४	प्रनया॥४
नस	आय	नस

१ न वा वनसायि कि हा सायि का
२ न वा वनसायि कि हा न तु न्ना न वा

ॐ धमेनीतकालोदका ले यमा नो
॥ ४६ कार ४ ॥ ॥ पितरुपनयन

किन्त्वसौ सपथिराजः इति पठत निजग
 रोमरे ~~सपथिराजः~~ रोके अरजके
 रामे गिरिपति महापराशर

मो नै देव व४। क० ब० यो निरु
सिद्धादि की द सु माल न्द्र म स०
हृत्क० विज्ञान दिप्ति मा दार व३



Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is written on aged, yellowed paper and is mostly illegible due to fading and damage. The visible characters are arranged in approximately 10 horizontal lines.

नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय

कात्रि
कात्रि
कात्रि

पुर्वी
 भोवा
 मुमु
 वर
 ला
 मा
 यूवा
 वावा
 पुष्मान्
 नृस्मान्
 व्रिया
 मया
 युवाणां
 भोवाणां
 पुष्माणि
 नृस्माणि
 उर्य
 मर्क
 युवाणां
 भोवाणां
 पुष्माणां
 नृस्माणां
 वर

नमः
युक्ता
श्रवाणां
युष्माकं
भूष्माकं
तव
मम
युक्ता
श्रवाणां
युष्माकं
भूष्माकं
वरि
मरि
युक्ता
श्रवाणां
युष्माकं
भूष्माकं

प्रनमो वतम्
 वातद्विष्टसि
 सा नमो तद्गुरु
 प्रकृत्या गतिवित
 ददत्तसक

षट्
षड्
षडि ४
षडि ४
षडि ४
षडि ४
षडि ४

दा ४
दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४ ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

दा ४

५४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४

दाख४ वाशि४

दाख४ वाशि४

दाख४ वाशि४

दाख४ वाशि४

दाख४ वाशि४

दाख४ वाशि४

दाख४ वाशि४

दाख४ वाशि४

दाख४ वाशि४

हनि०

हना

हहय

हनि

हना०

हवान

हनामीना

हनाया

हनिहि०

हनय

हनिह्या

हनिह्य०

हव०

हया

हयाभा

हया

हया

हविष

हहव

हहवा

हहय०

हान

हानी

हानव

हान

हान

हानन

हानना

हानन्या

हाननति

हानन

हानन्या

हानन्य

हानन०

हानन्या

हानन्या०

हसवा

हसवाया

हसाय०

हसय

हसवाया

हसवान

हसवाने

हसवित्या

हसविति०

हसय

हसवित्या

हसवित्य०

हसय

हसवित्या

हसवित्य०

हसय

हसय

हसय

हसय

हसय

हसय

हसय

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हसय०

हा नूत्य
 हा नू ४
 हा नूत्या
 हा नूत्य ४
 हा नू ४
 हा नूवा
 हा नूना
 हा नू
 हा नूवा
 हा नूवू
 हा नूना
 हा नू
 हा नूव

१ वि त नो
२ वि त न
३ वि त न
४ वि त न
५ वि त न
६ वि ह न
७ वि न
८ वि ह त्या
९ वि ह ति
१० वि न
११ वि ह त्या
१२ वि ह त्यः
१३ वि तु
१४ वि ह त्या
१५ वि ह त्यः
१६ वि तु
१७ वि श

१ अथ
 २ शान
 ३ पितृ
 ४ पितृ
 ५ पितृ
 ६ पितृ
 ७ पितृ
 ८ पितृ
 ९ पितृ

१ विह लं
१ विह नि
१ विह
१ विह वू
१ रु वि नः
१ रु वि नः
१ रु वि नः

१ वी
२ वी
३ वी
४ वी
५ वी
६ वी
७ वी
८ वी
९ वी
१० वी

This image shows a blank, aged, yellowish page, likely an endpaper or flyleaf from an old book. The paper has a textured, mottled appearance with various shades of yellow and brown, indicating significant wear and discoloration over time. A dark, irregular stain is visible near the top center. The page is framed by a dark border, possibly the book's binding or a scanning artifact.

१ सा ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

१ सुना ४

१ सुनाथो

१ सुनायु ४

१ सुनायु

१ सुनाथो

१ सुनाय ४

१ सुनाया

१ सुनाल्या

१ सुनाहि ४

१ सुनाथ

१ सुनाल्या

१ सुनाय ४

१ सुनाय

१ सुनाथो

१ सुनाथ ४

१ सुना

१ सुनाथो

१ सुनाथ

१ सुनाथि

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

१ सुनाथ

मास आ
मासा
मासा ना
मासि
मास
मासा
मास आ
मास
मास
ह मास
ह मास
ह मास
ह मास
ह मास
ह मास
ह मास

११ गमहिः
१२ गवे
१३ गमया
१४ गमय ४
१५ गम ४
१६ गमया
१७ गमय ४
१८ गम ४
१९ गवा
२० गवा
२१ गवि
२२ गवि
२३ गवा ४
२४ गम ४
२५ गमे ४
२६ गमवा
२७ गमव ४

सामयः
सामयः
सामयः
साध्याम्
सान्ध्यः
सामयः
सामयः
सामयः
सान्ध्यः
सामयः
सान्ध्यः
साध्याम्

मा स ४
मा स
मा स
मा स
मा स
मा स
मा स

(मा ४

मास ४

मास

मास

मास ४

मास ४

मास

मास

मास ४

मास ४ सा २

मास

मास नमै

मास

मास ४

मास ४

मास

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

मास ४

यदिच लून नायाकि द्यु कून वरुवि उविता ॥
है नरुसु गता गता । यदिच लून नायाकि द्यु कून वरुवि उविता ॥

मा हा
सा स या
सा सा
पा पा ना
सा सि
वा सु
ना वा
सा स या
ना ४ सु
ना सु

हना ४

इनासु ४

हुना हो

हुनासे ४

६ सा सा ४

स्नात० द्वा०

सोम

श्रीमद्वा

होमया

स म द

ਸਾ ਸਧੰ ੪

ਸੋ ਮਧਾ

स मया त्यां

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सा न या
सा न या

भास यो ग्रां

श्रीमद्वाङ्मय
श्रीमद्वाङ्मय

१३ मि जनाई नयन मंथ न स्यामि ॥

१४ वज्रवत् कनकागत ॥ दिव्य विभूति नाजाने दान विग्रह ॥

१५ दिव्य निरूप मधुर ललना विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१६ अमृत निरूप नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१७ कदम्ब निभ नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१८ कदम्ब निभ नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१९ कदम्ब निभ नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१३ दिव्य निरूप मधुर ललना विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१४ अमृत निरूप नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१५ कदम्ब निभ नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१६ कदम्ब निभ नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१७ कदम्ब निभ नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१८ कदम्ब निभ नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

१९ कदम्ब निभ नाजाने दान विग्रह ॥ कदम्ब निभ सुविभूत कोट ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कथं न सकाशं हि सा नंदमदाश ॥
विष्णुमहिमि सिसु क ॥ श्रीरवि ॥ व ॥

ॐ श्रद्धाधामा

ॐ श्रद्धाधामा नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्रद्धाधामा नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्रद्धाधामा नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्रद्धाधामा नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्रद्धाधामा नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्रद्धाधामा नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१दव४

१सव४

१दवा

१सव

१दवा

१सव

१दव

१सव

१दवा

१सव

१दवान

१सवान

१दवने

१सवन

१दवाली सवली

१दव४

१सव४

१दवालीय

१सवली

१दवली

१सवली

१दवाली४

१सवली४

१दवाली४

१सवली४

१दवली४

१सवली४

१दवली४

१सवली४

१दवली

१सवली

१दवाली४

१सवली४

१दवाना

१सवली

१दव

१सवली

१दवा४

१सवली४

१दव

१सवली

१दव

१सवली

१दव

१सवली

१दव

१सवली

१दवान दवा वि

१दवान

१दवान

१ प्रम
२ सो
३ प्र
४ प्र
५ प्र
६ प्र
७ प्र
८ प्र
९ प्र
१० प्र
११ प्र
१२ प्र
१३ प्र
१४ प्र
१५ प्र
१६ प्र
१७ प्र
१८ प्र
१९ प्र
२० प्र
२१ प्र
२२ प्र
२३ प्र
२४ प्र
२५ प्र
२६ प्र
२७ प्र
२८ प्र
२९ प्र
३० प्र
३१ प्र
३२ प्र
३३ प्र
३४ प्र
३५ प्र
३६ प्र
३७ प्र
३८ प्र
३९ प्र
४० प्र
४१ प्र
४२ प्र
४३ प्र
४४ प्र
४५ प्र
४६ प्र
४७ प्र
४८ प्र
४९ प्र
५० प्र
५१ प्र
५२ प्र
५३ प्र
५४ प्र
५५ प्र
५६ प्र
५७ प्र
५८ प्र
५९ प्र
६० प्र
६१ प्र
६२ प्र
६३ प्र
६४ प्र
६५ प्र
६६ प्र
६७ प्र
६८ प्र
६९ प्र
७० प्र
७१ प्र
७२ प्र
७३ प्र
७४ प्र
७५ प्र
७६ प्र
७७ प्र
७८ प्र
७९ प्र
८० प्र
८१ प्र
८२ प्र
८३ प्र
८४ प्र
८५ प्र
८६ प्र
८७ प्र
८८ प्र
८९ प्र
९० प्र
९१ प्र
९२ प्र
९३ प्र
९४ प्र
९५ प्र
९६ प्र
९७ प्र
९८ प्र
९९ प्र
१०० प्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्री कृष्णाय नमः

[illegible]

[illegible]

१ लयं ह
२ लयं ह वा
३ लयं ह व
४ लयं ह व
५ लयं ह वा
६ लयं ह व
७ लयं ह वा
८ लयं ह वा
९ लयं ह वा
१० लयं ह वा
११ लयं ह वा
१२ लयं ह वा
१३ लयं ह वा
१४ लयं ह वा
१५ लयं ह वा
१६ लयं ह वा
१७ लयं ह वा
१८ लयं ह वा
१९ लयं ह वा
२० लयं ह वा

१ सुजीह
 १ सुजिओ
 १ सुजियः
 १ सुजिय
 १ सुजिओ
 १ सुजियः
 १ सुजिया
 १ सुजीह्या
 १ सुजीहिः
 १ सुजिय
 १ सुजीह्या

१ गम
१ गमवा
१ गमवः
१ गमवृ
१ गमवा
१ गमवृ
१ गमवा
१ गमवृ
१ गमवा

१ सुधात्या	१ गमत्या
१ सुधातिः	१ गमतिः
१ सुधिय	१ गव
१ सुधात्या	१ गमत्या
१ सुधात्यः	१ गमत्यः
१ सुधातिथ	१ गम
१ सुधात्या	१ गमत्या
१ सुधात्यः	१ गमत्यः
१ सुधियाः	१ गमह
१ सुधिया	१ गवा
१ सुधानी	१ गवा
१ सुधाया	१ गवि
१ सुधाया	१ गवा
१ सुधिव	१ गमव
१ सुधातिः	१ ह गमे
१ सुधाया	१ ह गमवा
१ सुधियः	१ ह गमव

ॐ नमो

जनसः

ॐ नमो

जनाः

ॐ नमो

जनसा

ॐ नमो

जनया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जना

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनसः

ॐ नमो

जनसः

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनसः

ॐ नमो

जनसः

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

ॐ नमो

जनाया

मादुसुतम

शुभ

महाराज

विजय



1673